

ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज



आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

सच्ची खबर सबसे पहले

online- jwalaexpress.com

वर्ष - 05, अंक -11

दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 13 नवंबर से 19 नवंबर 2025 (प्रत्येक गुरुवार)

पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष पर आयोजित भारत पर्व में शामिल हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी ने लौहपुरुष की विरासत को और सशक्त बनाया - मुख्यमंत्री साय

भारत पर्व हमारी विविधता में एकता का

उत्सव - मुख्यमंत्री श्री साय

छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक दल के कलाकारों से की मुलाकात और दी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज गुजरात के केवड़िया स्थित एकता नगर में आयोजित भारत पर्व में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत पर्व हमारे देश की विविधता में एकता का प्रतीक है। यहां भारत के हर राज्य की संस्कृति, परंपरा और गौरव एक साथ देखने को मिलते हैं। कार्यक्रम में दिल्ली के उप राज्यपाल श्री वी के सक्सेना और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को नमन करते हुए कहा कि भारत पर्व उनकी 150वीं जयंती वर्ष पर आयोजित हो रहा है, जिसका समापन धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती — राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस — पर होगा। उन्होंने कहा कि यह पर्व भारत के सांस्कृतिक और



भावनात्मक एकीकरण का सशक्त प्रतीक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी की भव्यता की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह प्रतिमा भारत की एकता की पहचान है। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस प्रतिमा के निर्माण का निर्णय लिया, तब देश के

हर गांव से लोहा मंगवाया गया था — यह सच्चे अर्थों में एक भारत का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह सरदार पटेल ने रियासतों को जोड़कर एक भारत बनाया, उसी तरह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इनके सपनों के भारत को सशक्त करने का कार्य

किया है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का निर्णय लेकर सरदार पटेल ने स्वतंत्र भारत में सनातन संस्कृति के वैभव को पुनः स्थापित किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सरदार पटेल के परिजनों के साथ राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया, और जब पूरे देश ने यह दृश्य देखा तो सभी भावविभोर हो उठे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि आज देश की विरासत प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जैसे दूरदर्शी नेतृत्व के हाथों में है, जो सरदार पटेल की सोच और आदर्शों को आगे बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि हाल ही में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ की झांकी ने एकता परेड में हिस्सा लिया और पूरे देश को राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर में हुए आयोजनों का उल्लेख करते हुए कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय का वंदे मातरम् और सरदार पटेल की एकता की भावना — यही हमारी राष्ट्रीय पहचान है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरदार पटेल ने सिविल सेवा ढांचे का भारतीयकरण किया, और आज भी हमारे प्रशासनिक तंत्र में उनकी

शिक्षा किसी भी समाज एवं राष्ट्र की उन्नति का मुख्य आधार : मुख्यमंत्री साय

बालोद जिले के ग्राम संबलपुर में छत्तीसगढ़ प्रदेश कोसरिया मरार समाज द्वारा आयोजित युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं शाकंभरी महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज एवं राष्ट्र की उन्नति का मुख्य आधार है। इसलिए हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि आने वाली पीढ़ी को उच्च शिक्षित और ज्ञानवान बनाएं। मुख्यमंत्री श्री साय ने बालोद जिले के डौंडीलोहारा विकासखंड के ग्राम संबलपुर में छत्तीसगढ़ प्रदेश कोसरिया मरार समाज द्वारा आयोजित युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं शाकंभरी महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सर्वप्रथम शाकंभरी माता, भगवान श्रीराम, महात्मा ज्योतिबा फुले एवं श्रीमती सावित्रीबाई फुले के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कोसरिया मरार समाज की धरती माता की सेवा करने वाला मेहनतकश समाज बताते हुए समाज के कार्यों की भूरि-भूरि सराहना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कोसरिया मरार समाज द्वारा आयोजित युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं शाकंभरी महोत्सव को समाज का महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए इसकी मुक्तकंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को सुदृढ़ करने के साथ-साथ स्वजातीय जनों के बीच मेल-मिलाप और एकता को भी प्रोत्साहित करते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने समाज द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह समारोह की भी सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल अनावश्यक खर्च को रोकते हैं, बल्कि समाज के कमजोर तबके को आर्थिक संबल भी प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने समाज एवं राष्ट्र के विकास में शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा केवल शासकीय सेवाओं के लिए ही नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफ़रता का सबसे बड़ा माध्यम है।

दूरदृष्टि और सोच झलकती है।

भारत पर्व के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रस्तुति देने आए छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक दल के कलाकारों से भी मुलाकात की और उन्हें

शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

चारों श्रेणियों में ‘टॉप अचीवर’ बना छत्तीसगढ़, दिखाया विकास का नया मॉडल

नीति से नीयत तक -

छत्तीसगढ़ का सुधार मॉडल बना राष्ट्रीय उदाहरण

DPIIT की BRAP रैंकिंग में ‘टॉप अचीवर’ बना छत्तीसगढ़, निवेशकों के लिए भरोसे का केंद्र बना राज्य

रायपुर(ज्वाला एक्सप्रेस)। छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर देशभर में अपनी पहचान सुधार और विकास के नए प्रतीक के रूप में दर्ज कराई है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग , भारत सरकार द्वारा आयोजित ‘उद्योग संगम’ में राज्य को बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान की चारों प्रमुख श्रेणियों में ‘टॉप अचीवर’ घोषित किया गया। यह सम्मान इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ अब न केवल नीति निर्माण में बल्कि नीति क्रियान्वयन में भी अग्रणी राज्यों



की पंक्ति में शामिल हो चुका है।

यह उपलब्धि उस परिवर्तन यात्रा की गवाही है जो छत्तीसगढ़ ने बीते वर्षों में तय की है। कभी BRAP रैंकिंग में निचले पायदान पर रहने वाला यह राज्य आज गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे औद्योगिक दिग्गजों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। यह परिवर्तन केवल अंकों का सुधार नहीं, बल्कि शासन की सोच

और दृष्टिकोण में आए मूलभूत परिवर्तन का परिणाम है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने सुशासन, पारदर्शिता और भरोसे पर आधारित प्रशासनिक ढांचा स्थापित किया है। इस ढांचे ने न केवल निवेशकों का विश्वास जीता है बल्कि सामान्य नागरिकों के जीवन को भी सुगम और सशक्त बनाया है। राज्य सरकार ने सुधारों

को केवल दस्तावेजों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें जन-जीवन में उतारकर एक नए विकास मॉडल का निर्माण किया है।

इन सुधारों का उद्देश्य केवल उद्योग स्थापित करना नहीं, बल्कि उस वातावरण का निर्माण करना है जहाँ उद्योग, समाज और प्रशासन एक साथ प्रगति करें।

इन्हीं सुधारों में एक ऐतिहासिक कदम रहा ‘जन विश्वास अधिनियम’, जिसके तहत छत्तीसगढ़ देश का दूसरा राज्य बना जिसने छोटे कारोबारी अपराधों को डीक्रिमिनलाइज किया। इस अधिनियम ने सरकार और उद्योग जगत के बीच भरोसे का पुल बनाया है। अब कारोबारियों के लिए शासन एक सहयोगी के रूप में सामने आ रहा है। यह बदलाव राज्य में उद्यमिता संस्कृति को और अधिक प्रोत्साहन देने वाला सिद्ध हुआ है। इसी तरह एक और ऐतिहासिक पहल के रूप में

छत्तीसगढ़ ने भूमि अभिलेखों के स्वचालित म्यूटेशन को शुरूआत की। यह कदम राज्य को देश का पहला ऐसा प्रदेश बनाता है जहाँ जमीन पंजीयन के साथ ही स्वामित्व का हस्तांतरण स्वतः हो जाता है। इससे न केवल प्रक्रियाएँ सरल हुई हैं बल्कि लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने से भी मुक्ति मिली है। यह सुधार पारदर्शिता, दक्षता और समय की बचत तीनों का बेहतरीन उदाहरण है। राज्य सरकार ने औद्योगिक गतिविधियों के लिए भी कई क्रांतिकारी सुधार लागू किए हैं। दुकानों और प्रतिष्ठानों को अब 24x7 संचालन की अनुमति दी गई है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़े हैं और व्यापारिक लचीलापन भी सुनिश्चित हुआ है। इसके अतिरिक्त प्लेटेड इंस्ट्री के लिए सफ़रूम में वूड, भूमि उपयोगिता बढ़ाने हेतु सेटबैक में कमी, और फैक्ट्री लाइसेंस की वैधता 10 से

बढ़ाकर 15 वर्ष करने के साथ ऑटो-रिन्यूअल सुविधा प्रदान की गई है। ये कदम राज्य को आधुनिक औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करते हैं।

मुख्यमंत्री ने मिलकर छत्तीसगढ़ को एक भरोसेमंद, स्थिर और पारदर्शी औद्योगिक केंद्र बना दिया है। अब निवेशक केवल संभावनाएँ नहीं, बल्कि निश्चितता देखते हैं। प्रक्रियाओं में सरलीकरण और नीतिगत स्पष्टता ने ‘Ease of Doing Business’ को वास्तविकता में बदल दिया है। इन उल्लेखनीय सुधारों के लिए छत्तीसगढ़ के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन और निवेश आयुक्त श्री ऋतु सेन (ट्रूस) को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान न केवल व्यक्तियों का, बल्कि उस टीम भावना और संस्थागत प्रयासों का भी है।

राज्यपाल रमेन डेका ने विद्यार्थियों और लखपति दीदियों को किया सम्मानित



रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज यहां राजभवन में खैरगढ़-छुईखदान-गण्डई जिले के गोद ग्राम-सोनपुरी के उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यार्थियों एवं लखपति दीदियों को सम्मानित किया। राज्यपाल ने उन्हें अपने बालों से प्रमाण पत्र दिया। श्री डेका ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत विभिन्न कौशल क्षेत्रों में प्रशिक्षण ले रहे विद्यार्थियों से बातचीत कर उन्हें अच्छे से अध्ययन करने और स्किल सीख कर आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लखपति दीदियों से चर्चा कर उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। लखपति दीदियों ने जैविक खेती, ड्रोन के माध्यम से किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

सम्मान समारोह में राज्यपाल के गोदग्राम सोनपुरी के विद्यार्थी खुसाल वर्मा, कपिल वर्मा, टोपसिंग, पिमला वर्मा, खुशी, प्रिया वर्मा, पूजा, विनीता यादव को प्रमाण पत्र दिया गया। साथ ही जैविक कृषि सखी श्रीमती राधा वर्मा, ड्रोन दीदी श्रीमती सवित्री साहू, स्वच्छग्रामी श्रीमती गोदावरी और निता वर्मा को सम्मान प्रमाण पत्र दिया गया।

अब नहीं देना पड़ता बिजली बिल, सूरज की रोशनी बनी सहारा



रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने आम उपभोक्ताओं के जीवन में ऊर्जा आत्मनिर्भरता और आर्थिक राहत का नया अध्याय जोड़ा है। सकी जिले के निवासी श्री पुष्पेन्द्र कुमार गबेल की कहानी इस योजना की सफलता का जीवंत उदाहरण है। श्री गबेल बताते हैं कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना ने उनके जीवन में बड़ा सकारात्मक परिवर्तन लाया है। पहले हर महीने उन्हें लगभग 3,000 से 3,500 रुपये तक बिजली बिल का भुगतान करना पड़ता था, परंतु अब उनके घर की छत पर स्थापित 3 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल से बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया है।

उन्होंने बताया कि यह सोलर पैनल उन्होंने जून 2025 में स्थापित कराया था, जिसकी कुल लागत लगभग 2 लाख रुपये रही।

इसमें केंद्र सरकार से 78,000 रुपये की सब्सिडी प्राप्त हो चुकी है, जबकि राज्य सरकार से 30,000 रुपये की अनुदान राशि अभी मिलने वाली है। श्री गबेल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब हमारा घर अपनी खुद की बिजली बना रहा है। रोजाना 12 से 15 यूनिट सौर ऊर्जा का उत्पादन होता है, जिससे घरेलू जरूरतें पूरी हो जाती हैं। इस योजना से न केवल बिजली बिल से मुक्ति मिली है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का अवसर भी मिला है।

उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने आम नागरिकों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम प्रदान किया है। उन्होंने

अन्य नागरिकों से भी अपील की कि वे इस योजना का लाभ अवश्य लें और सौर ऊर्जा के माध्यम से अपने घर को ऊर्जा-सक्षम बनाएं।

पिछले आठ माह से बिजली बिल हुआ शून्य

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के जीवन में नई रोशनी लेकर आई है। यह योजना न केवल आर्थिक रूप से राहत प्रदान कर रही है, बल्कि स्वच्छ और सतत ऊर्जा के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को भी साकार कर रही है। इस योजना का कांकेर जिले के अंतागढ़ निवासी श्री माखनलाल साहू ने भी लाभ लिया है, जिससे उनके घर का बिजली बिल बीते आठ माह से शून्य हो गया है। श्री साहू ने नवंबर 2024 में अपने घर की छत पर 4 किलोवाट क्षमता का सोलर पावर प्लांट स्थापित कराया। सौर ऊर्जा के उपयोग से फरवरी 2025 से उनका बिजली बिल पूरी तरह समाप्त हो गया है। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल लगने से पहले उनका औसत मासिक बिजली बिल लगभग 1,885 रुपये आता था।

निठारी हत्याकांड मामले में सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला, सुरेंद्र कोली को रिहा करने का आदेश

नई दिल्ली। निठारी हत्याकांड के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सुरेंद्र कोली को रिहा करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि कोली पर लगाए गए सभी आरोपों से उसे बरी किया जाता है और उसकी सभी सजाएँ रद्द की जाती हैं। जस्टिस विक्रम गाथ की अध्यक्षता वाली बेंच ने 2011 के पुनर्विचार फैसले को वापस लेते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट की अपील स्वीकार की जाती है और इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश रद्द किया जाता है। कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सुरेंद्र कोली को तत्काल रिहा किया जाए। यह फैसला निठारी हत्याकांड के बाद आया, जिसने साल 2006 में पूरे देश को दहला दिया था, जब नोएडा के निठारी में मोर्निंदर सिंह पंडेर की कोठी के पीछे नाले से 19 बच्चों और महिलाओं के कंकाल बरामद हुए थे। इस वारदात ने पुलिस और समाज दोनों को झकझोर कर रख दिया था।

मामले में पंडेर और उसके नौकर सुरेंद्र कोली को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने आरोप लगाया था कि कोली बच्चों और



महिलाओं को बहला-फुसलाकर लाता था, उनके साथ दुष्कर्म करता था और फिर हत्या कर शवों को नाले में फेंक देता था। मामला सामने आने के बाद पूरे देश में आक्रोश फैल गया था। जांच सीबीआई की सीपी गार्ड, जिसने कई मामलों में चार्जशीट दाखिल की।

कोली पर 13 मामलों में आरोप लगाए गए, जबकि पंडेर का कुछ मामलों में सहआरोपी के रूप में नाम आया। समय के साथ अदालतों ने सुनवाई की और कोली को 12 मामलों में बरी कर दिया गया, लेकिन एक मामले में 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने उसकी उम्रकैद को सजा बरकरार रखी थी।

अब सुप्रीम कोर्ट ने उस पुराने फैसले को पलटते हुए कहा है कि कोली के खिलाफ सबूत पर्याप्त नहीं हैं और जांच में गंभीर खामियां रही हैं। इसलिए न्याय के हित में उसे बरी किया जाता है।

उपमुख्यमंत्री शर्मा पहुंचे गीदम के साप्ताहिक बाजार



स्थानीय ग्रामीणों ने नक्सल भय से मुक्ति पर जताया आभार

रायपुर। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा आज अपने बस्तर संभाग के दौरे के दौरान गीदम पहुंचे, जहां उन्होंने स्थानीय साप्ताहिक बाजार का दौरा किया। अपने सहज और मिलनसार स्वभाव के लिए प्रसिद्ध श्री शर्मा ने बाजार में घूमते हुए ग्रामीणों और व्यापारियों से आत्मीय बातचीत की तथा उनके हाल-चाल पूछे।

बाजार में मौजूद स्थानीय

व्यापारियों ने उपमुख्यमंत्री से चर्चा करते हुए बताया कि शासन की नीतियों से अब व्यापार में सुगमता आई है। उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों में कमी से सामान सस्ते हुए हैं, जिससे उपभोक्ताओं और व्यापारियों दोनों को राहत मिली है। व्यापारियों ने यह भी कहा कि अब नक्सल भय समाप्त होने से वे निडर होकर बाजारों में अपना व्यापार कर पा रहे हैं, और ग्रामीणों तक सही कीमत पर आवश्यक वस्तुएं पहुंच रही हैं। ग्रामीणों ने भी उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा के समक्ष शासन द्वारा नक्सल समस्या के समाधान के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अब शांति और विकास की नई सुबह दिखाई दे रही है। नक्सली विचारधारा से भटके युवा अब मुख्यधारा में लौट रहे हैं, जिससे बस्तर में स्थायी शांति की नींव मजबूत हो रही है। श्री शर्मा ने बाजार भ्रमण के दौरान स्थानीय पत्तों का स्वाद लिया और जनसाधारण से आत्मीयता से बातचीत की। उन्होंने कहा कि बस्तर के विकास के लिए स्थायी शांति सबसे आवश्यक है, और सरकार इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर बस्तर संभाग आयुक्त श्री डोमेन सिंह एवं पुलिस महानिरीक्षक श्री सुंदरराज पी भी उपस्थित रहे।

राजमिस्त्री के प्रशिक्षण से अंचल में खुलेंगे स्वरोजगार के अवसर, पीएम आवास निर्माण में आएगी तेजी

ग्राम पंचायत देवरसुर में 30 दिवसीय राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ



मोहला

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के निदेशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती भारती चंद्राकर के मार्गदर्शन में जिले के जनजातीय क्षेत्र के युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत कार्यों को गति प्रदान करने तथा ग्रामीणों को रोजगारपरक कौशल विकास से जोड़ने के उद्देश्य

से विकासखण्ड मोहला के ग्राम पंचायत देवरसुर में 30 दिवसीय राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण आरएसईटीआई राजनांदागंव द्वारा ऑफ-कैम्पस मोड में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें 35 महिला एवं पुरुष प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। जनजातीय बाहुल्य जिले में इस प्रशिक्षण से युवाओं और महिलाओं को आधुनिक निर्माण तकनीक, आत्मनिर्भरता और रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को ईंट जोड़ई, माप-जोख,



सीमेंट-रेत अनुपात, प्लास्टरिंग, दीवार निर्माण, वाटर लेवल सेटिंग, सुरक्षा उपाय एवं गुणवत्ता नियंत्रण जैसे विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रथम दिवस पर आरएसईटीआई द्वारा सभी प्रतिभागियों को राजमिस्त्री टूलकिट एवं सेफ्टी जैकेट प्रदान की गई, जिससे वे प्रशिक्षण उपरांत अपने क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से कार्य प्रारंभ कर सकें। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने कहा कि प्रशिक्षण केवल कौशल निर्माण नहीं, बल्कि जनजातीय

युवाओं और महिलाओं को आत्मविश्वास तथा सम्मानजनक आजीविका से जोड़ने की दिशा में एक सशक्त कदम है। ग्रामीण निर्माण कार्यों में स्थानीय लोगों की भागीदारी से योजनाओं की गति और गुणवत्ता दोनों में सुधार होगा। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती भारती चंद्राकर ने बताया महिलाओं की सक्रिय सहभागिता से जिला अब विकास की नई दिशा में अग्रसर है। महिलाओं को निर्माण क्षेत्र में प्रशिक्षित कर लक्ष्यित दीदी के रूप में सशक्त बनाना जिला प्रशासन का लक्ष्य है।

अम्बागढ़ चौकी महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी मोरध्वज सोनवानी को पीएचडी उपाधि

अबागढ़ चौकी

ग्राम मेटेपार अम्बागढ़ चौकी निवासी मोरध्वज सोनवानी ने शारीरिक शिक्षा अध्ययन शाला, पं. रविशंकर शुक्ल वि. वि. रायपुर से पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर क्षेत्र और परिवार का नाम रोशन किया है। उन्होंने अपने शोधकार्य शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान के अन्तर्गत खेल मनोविज्ञान में 'छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ियों में मनोवैज्ञानिक अक्रियाशीलता का अध्ययन - विषय पर गहन अध्ययन एवं विरलेषण प्रस्तुत किया। उनका यह शोध छत्तीसगढ़ के जो खिलाड़ी खेल से सन्यास ले चुके हैं व जो खिलाड़ी वर्तमान में सक्रिय खेल रहे हैं उनके मनोवैज्ञानिक बर्नआउट लक्षण, मानसिक तनाव व निराशा सहन करने की क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। जो कि छत्तीसगढ़ के खेल क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान माना जा रहा है। उनके शोध सह-निर्देशक प्रो.सी.डी. आगारो (पं. रविशंकर शुक्ल



वि. वि. रायपुर) शोध निर्देशक डॉ. विवेक मिश्रा (प्राचार्य नेताजी सुभाष महाविद्यालय अभनपुर) व शोध केंद्र शारीरिक शिक्षा अध्ययन शाला पं. रविशंकर शुक्ल वि. वि. रायपुर (छ.ग.) रहा।

फहनल मौखिक परीक्षा के परीक्षक डॉ संजीत सरदार प्रोफेसर गुरु बासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर थे। मोरध्वज सोनवानी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा बिचारपुर, मेटेपार, अम्बागढ़ चौकी, राजनांदागंव से प्राप्त की तथा उच्च शिक्षा दुर्ग, रायपुर, राजनांदागंव, पटियाला (पंजाब) महाविद्यालय, विश्वविद्यालय से प्राप्त की। इस सप्तरता

से परिवार, समाज, गाँव, मित्रगण और सम्पूर्ण क्षेत्र में हर्ष की लहर है। हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और आशा करते हैं कि वे शारीरिक शिक्षा एवं खेल क्षेत्र से अपना महत्वपूर्ण योगदान देते रहेंगे। वर्तमान में मोरध्वज सोनवानी उच्च शिक्षा विभाग छ.ग. शासन के अन्तर्गत शासकीय लाल चक्रधर शाह स्नातकोत्तर महाविद्यालय अं. चौकी में क्रीड़ा अधिकारी के पद पर कार्यरत है। वे छात्र जीवन में राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रह चुके हैं। प्रारंभ से वे खेल और शिक्षा पर अपना समाजस्य बना कर लक्ष्य प्राप्ति की जिसमें अथक मेहनत व लगन रहा।

युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष ने राज्यपाल और मुयमंत्रि को लिखा पत्र, स्थानीय भर्ती की मांग

जगदलपुर

युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष हेमंत कश्यप ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ सरकार को पत्र लिखकर नगरनार, एनएमडीसी किरंदूल-बचेली एवं बस्तर के शासकीय कार्यालयों में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर स्थानीय युवाओं की भर्ती किए जाने की मांग की है। उन्होंने जिला कलेक्टर, बस्तर के माध्यम से यह पत्र सौंपा है। हेमंत कश्यप ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में एनएमडीसी नगरनार, किरंदूल, बचेली सहित विभिन्न शासकीय एवं अर्ध-शासकीय संस्थानों में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी पदों पर बाहरी व्यक्तियों की नियुक्तियों की जा रही है, जबकि



स्थानीय योग्य युवक-युवतियाँ बेरोजगारी की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति बस्तर के युवाओं के साथ अन्याय है और इसे तुरंत सुधारने की आवश्यकता है। उन्होंने मांग की है कि नगरनार, एनएमडीसी किरंदूल, बचेली एवं बस्तर के अन्य सरकारी संस्थानों में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी पदों पर स्थानीय युवाओं को

प्राथमिकता दी जाए, सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, डिमरापाल में कार्यरत सुरक्षा कर्मियों एवं अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति स्थानीय भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से की जाए, और स्थानीय भर्ती प्रक्रिया

अनूपपुर

जिला किसान कांग्रेस अनूपपुर के अध्यक्ष रामनारायण सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों कुषक एवं कांग्रेस नेताओं ने महामहिम राज्यपाल के नाम से कलेक्ट्रेट परिसर अनूपपुर में पहुंच कर अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय को ज्ञापन सौंपा। धान की फसल को कंधे पर रखकर रामनारायण सिंह ने प्रदर्शन कर जिला प्रशासन को वास्तविकता से अवगत करवाया। किसानों की 08 सूत्रीय मांगपत्र का वाचन वरिष्ठ केवट, मोहम्मद रबी, बाबा खान, सत्येन्द्र स्वरूप दुबे, आर.एस.शर्मा, जय प्रकाश पाण्डेय, इमरान खान बंटी, आशु चतुर्वेदी, राय सिंह, राजू केवट, राजकुमार लल्लू



सिंह पूर्व उपाध्यक्ष नगरपालिका, राजीव सिंह जनपद अध्यक्ष जैतहरी, धनंजय सिंह उपाध्यक्ष नगर परिषद राजनगर, हरिशंकर दुबे ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष राजनगर, श्रीमान लाल केवट, मोहम्मद रबी, बाबा खान, सत्येन्द्र स्वरूप दुबे, आर.एस.शर्मा, जय प्रकाश पाण्डेय, इमरान खान बंटी, आशु चतुर्वेदी, राय सिंह, राजू केवट, राजकुमार लल्लू

आलोक सिंह, जितेन्द्र चंद्रा, प्रमोद कंवर, अरविंद यादव, रामलाल, मनोज चंदेल, रवि रौतिया, गेंदलाल केवट सहित सैकड़ों लोगों की उपस्थिति रही।

विजय पीताबरन को कालिंगा विश्वविद्यालय ने पीएचडी उपाधि प्रदान की



भिलाई

कालिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा विजय पीताम्बरन को वाणिज्य एवं प्रबंधन विषय में 'छत्तीसगढ़ के गैस्ट्रोनामिक परिदृश्य की खोज: पाक-परंपराओं का अनावरण और रणनीतिक ब्रांडिंग के अवसर'

विषय पर शोध के लिए पीएचडी उपाधि प्रदान की गई है। यह शोध डॉ. बायजू जीन के निर्देशन में किया गया। पीताम्बरन वर्तमान में श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, भिलाई में उप-कुलसचिव के रूप में कार्यरत हैं। उपाधि का वितरण आगामी दीक्षांत समारोह में किया जाएगा।

कांग्रेस प्रवक्ता बनने आम कार्यकर्ताओं को मिलेगा मौका मनीष साह बनाये गए जिला सहप्रभारी



अबागढ़ चौकी

कांग्रेस पार्टी के नेशनल लेवल पर कांग्रेस के प्रवक्ता चयन कांग्रेस के निष्ठावान कार्यकर्ता कि नयी जोश। नयी आवाज ,नयी पहचान हेतु प्रवक्ता चयन हेतु जिले व प्रदेश प्रभारी कि न्युक्ति किये जा रहे है जिसके तहत मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी जिले के प्रभारी अभिमन्यु मिश्रा व सहप्रभारी मनीष साह जिला अध्यक्ष हस्तु को बनाया

गया है टैलेंट हंट प्रवक्ता चयन हेतु कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज दवारा प्रदेश कार्यालय से,चयन सूची जारी किया गया अपनी न्युक्ति पर मनीष साह ने ,कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ,,प्रदेश प्रभारी,सुशील आनंद शुक्ला ,विधयाक भोला राम साह जी युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव गुजरात प्रभारी ,निखिल द्विवेदी ,मोहला मानपुर विधयाक इंद्र शाह मांडवी ,जिलाअध्यक्ष सुजीत ठाकुर का आभार व्यक्त किया है ,

आज होगी पत्रकारों की समस्याओं पर निर्णायक चर्चा, कलेक्टर के साथ दोपहर 2 बजे बैठक तय, पत्रकार एकता मंच के आंदोलन का मिला असर

अनूपपुर

पत्रकारों की समस्याओं को लेकर चल रहे पत्रकार एकता मंच के अनिश्चितकालीन आंदोलन का असर अब दिखने लगा है। आंदोलन के तीसरे दिन प्रशासन हरकत में आया और कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम अनूपपुर कमलेश पुरी, एडिशनल एसपी जगन्नाथ मरकाम एवं कोतवाली प्रभारी अरविंद जैन आंदोलन स्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने आंदोलनकारी पत्रकारों से सभी मुद्दों पर चर्चा की और तुरंत कलेक्टर व एसपी को अवगत कराया। इसके बाद तय हुआ कि मंगलवार, 11 नवंबर को दोपहर 2 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर एवं एसपी की उपस्थिति में पत्रकारों की समस्याओं पर विस्तृत चर्चा होगी। इस दौरान त्वरित निराकरण योग्य मांगों को उसी समय पूरा किया जाएगा, जबकि शासन स्तर की मांगों को सरकार को भेजा जाएगा। बैठक में यह भी तय हुआ



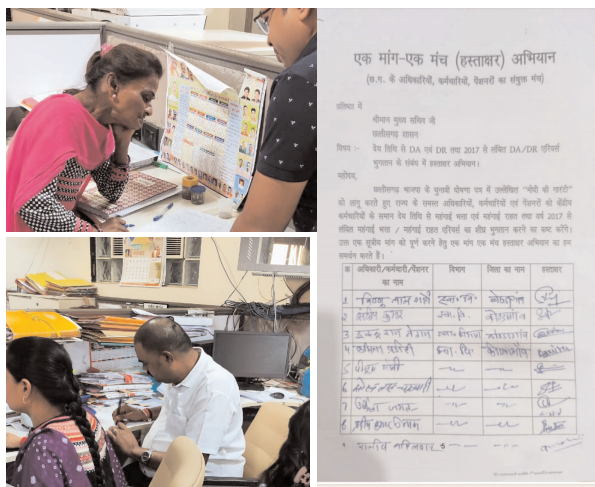
कि जिले में पत्रकारों की एक स्थायी कमिटी गठित की जाएगी। यह कमेटी पत्रकारों के विरुद्ध आने वाली शिकायतों की जांच करेगी, जिसमें पुलिस और प्रशासन दोनों के अधिकारी शामिल रहेंगे। अनिवार्य उपस्थिति: सभी आंदोलनकारी पत्रकारों को मंगलवार की बैठक में उपस्थित रहना अनिवार्य बताया गया है। बुद्धिजीवियों के बयान पर आक्रोश: प्रदेश के कुछ तथाकथित

बुद्धिजीवियों द्वारा पत्रकार संगठन की पाकिस्तान से तुलना किए जाने पर पत्रकार एकता मंच ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। मंच के सदस्यों ने इसे पत्रकारिता का अपमान बताते हुए कहा 'जब वे अनूपपुर आएँ, तो हम उनसे इस बयान पर जवाब जरूर माँगेँ।' पत्रकार एकता मंच के नारे गुंजे: 'पत्रकार एकता जिंदाबाद!' 'सच्ची कलम कभी झुकेगी नहीं!' 'अनूपपुर में पत्रकारों की आवाज़ अब और बुलंद!

डीए और डीए एरियर्स को लेकर जिला में चल रहा हस्ताक्षर अभियान

कोण्डागांव

विगत साढ़े सात वर्षों से लंबित महंगाई भत्ता एरियर्स और दया तिथि से महंगाई भत्ता दिए जाने की एक सूत्रीय मांग को लेकर प्रदेश भर के 5 लाख कर्मचारी इन दोनों मुख्य सचिव के नाम से हस्ताक्षर अभियान चला रहे हैं। एक मांग एक मंच हस्ताक्षर अभियान का प्रदेश में नेतृत्व करने वाले करण सिंह अटेरिया ने बताया कि गलत नीति और गलत समझौते के कारण प्रदेश के 5 लाख से अधिक कर्मचारी और अधिकारी 4 से 5 लाख रुपए महंगाई भत्ता एरियर्स से वंचित हैं। उन्होंने बताया कि किसी संगठन का नाम का उल्लेख किए बगैर कर्मचारियों के लिए कर्मचारियों के द्वारा हस्ताक्षर अभियान प्रदेश के अन्य जिलों की तरह कोंडागांव जिला में भी चलाया जा रहा है। कोंडागांव में यह अभियान द्वाविका



प्रसाद साहू के मार्गदर्शन में चल रहा है। श्री अटेरिया ने यह भी बताया कि यह पहली बार है कि प्रदेश में मुख्य सचिव को दिए जहां ज्ञापन दिया जाएगा और उनसे महंगाई भत्ता एरियर्स और निर्धारित तिथि से महंगाई भत्ता दिलाए जाने की मांग

की जाएगी। यह छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार है जब कर्मचारी अपनी मांग को लेकर खुद सामुदायिक हस्ताक्षर के माध्यम से ज्ञापन देंगे। हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत अम्बिकापुर स्थित माँ महामाया के दर्शन कर प्रारंभ किया गया है। यह अभियान पूरे नवंबर महिने तक जारी रहेगा।

जिले के 48 हजार 514 परिवारों को मिला घर पहुंच शुद्ध पेयजल, 57 नए हैंडपंप जोड़े गए, 470 ग्रामों में लगा सोलर ड्यूल पंप, समूह जल प्रदाय योजना से लाभान्वित हुए 115 ग्राम

मोहला

जिला गठन पश्चात मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले ने पेयजल आपूर्ति के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। जल जीवन मिशन एवं अन्य योजनाओं के माध्यम से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर नल से शुद्ध पेयजल सुविधा पहुंचाने का कार्य तेजी से हुआ है। वर्ष 2022 में जिले में कुल 4747 हैंडपंप क्रियाशील थे, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 4804 हो गए। इस अवधि में 57 नए हैंडपंप जोड़े गए और 240 नलकूपों का खनन आधार स्रोत के रूप में किया गया। हैंडपंप योजनाओं से लाभान्वित ग्रामों की संख्या भी 55 से बढ़कर 207 हो गई। नल जल योजनाओं के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की गई, जहाँ वर्ष 2022 में 229 योजनाएं संचालित थीं, वहीं वर्ष 2025 तक इनकी संख्या बढ़कर 500 हो गई।

ने हमें हर घर जल - पेयजल आपूर्ति में नेहासिक प्रगति!

1804 हैंडपंप
140 नए नलकूप आधार स्रोत के रूप में खनन
ड्रिपिंग योजनाओं से लाभान्वित ग्राम - 207
नल जल योजनाएं - 500
गामाचिपत परिवार - 48,514
26 ग्राम हर घर जल रिपोर्टेड,
14 ग्राम प्रमाणित
सोलर ड्यूल पंप - 470
खलल ग्राम जल योजना - 170 स्वीकृत, 158 पूर्ण
समूह जल प्रदाय योजना - 115 (73% कार्य पूर्ण)



इन योजनाओं से लाभान्वित परिवारों की संख्या 14 हजार 191 से बढ़कर 48 हजार 514 तक पहुंच गई। जिससे जिले के हजारों परिवारों को अब घर-घर नल से स्वच्छ पेयजल मिल रहा है। जिले के 126 ग्राम हर घर जल रिपोर्टेड एवं 114 ग्राम हर

घर जल प्रमाणित हो चुके हैं। सोलर ड्यूल पंप योजना के अंतर्गत वर्ष 2022 में 262 पंप स्थापित थे, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 470 हो गए हैं, जिससे विद्युत-विहीन ग्रामों को भी पेयजल सुविधा प्राप्त हुई है। इस तरह मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में वर्ष 2025 तक लगभग 48 हजार 514 परिवारों को घर-घर नल से शुद्ध पेयजल सुविधा प्राप्त हो चुकी है, जो जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। हर घर जल के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम में जिले के शिक्षित युवा स्वरोजगार के लिए कर सकते हैं आवेदन

व्यवसाय के लिए 20 से 50 लाख रुपए तक प्राप्त होगा ऋण, पात्रता अनुसार मिलेगा मार्जिन मनी अनुदान

पीएमईजीपी योजना अंतर्गत जिले के युवाओं के लिए स्वरोजगार का सुनहरा अवसर मोहला

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम पीएमईजीपी के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु लक्ष्य प्राप्त हो चुका है। जिसके अंतर्गत जिले के शिक्षित युवक एवं युवतियों से आवेदन मंगाए जा रहे हैं। विभागीय अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार योजना के माध्यम से इच्छुक पात्र आवेदकों को अधिकतम 50 लाख रुपए तक वित्तिमण्ड इकाई के लिए 20 लाख रुपए तक सेवा क्षेत्र के लिए 20 लाख रुपए तक व्यवसाय के लिए बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जाएगा।

साथ ही पात्रता के अनुसार शासन द्वारा 15 प्रतिशत, 25 प्रतिशत एवं 35 प्रतिशत तक मार्जिन मनी अनुदान भी प्रदान किया जाएगा। आवेदन की प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन है, जिसके लिए इच्छुक आवेदक 222.चा।द्रुषुद्रुद्रुद्रुद्रु.हृश.1.द्रु पर जाकर एजेंसी नाम में क्व जिला उद्योग केंद्र का चयन कर निःशुल्क आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करते समय आवेदकों को निर्धारित प्रारूप में परियोजना प्रतिवेदन, आधार कार्ड, राशन कार्ड, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस इनमें से कोई एक, शैक्षणिक अथवा तकनीकी योग्यता प्रमाण पत्र, जन्म तिथि का प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, यदि भूमि अथवा भवन किराये पर लिया गया है तो न्यूनतम 5 वर्षों की अवधि का किराया अनुबंध एवं मशीनरी उपकरण हेतु वर्तमान दरों के कोटेशन संलग्न करना अनिवार्य होगा। योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक आवेदक

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी के सहायक प्रबंधक श्री राकेश कुमार मंडवी, मोबाइल नंबर 9827655673 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा कार्यालय में उपस्थित होकर मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। योजना के लिए आवश्यक पात्रता एवं शर्तें- योजना का लाभ लेने के आवेदक हेतु आवश्यक पात्रता एवं शर्तें निर्धारित की गई हैं। जिनमें आवेदक का छत्तीसगढ़ राज्य का निवासी होना एवं न्यूनतम 18 वर्ष की आयु पूर्ण होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त आवेदक किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक, वित्तीय संस्था अथवा सहकारी बैंक का ग्राह्य चुककर्ता नहीं होना चाहिए। योजना का लाभ एक परिवार से केवल एक व्यक्ति को ही प्रदान किया जाएगा। साथ ही वे आवेदक जो पूर्व में भारत सरकार या राज्य शासन की किसी अन्य अनुदान योजना का लाभ ले चुके हैं इस योजना के लिए पात्र नहीं होंगे।

साई रक्तदाता समिति का प्रेरणादायी आयोजन 18 यूनिट रक्तदान से समाजसेवा की मिसाल

रक्तदान से जीवन को दी नई रोशनी है – सूरजपुर

सूरजपुर/भगवांव

मानवता की सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का अद्भुत उदाहरण पेश करते हुए ? साई रक्तदाता समिति के संरक्षक डॉ. महेश्वर सिंह के स्वर्गीय पिता छत्रपाल सिंह की 10वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 9 नवंबर 2025, रविवार को जरही स्थित मैत्री भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 18 यूनिट रक्तदान हुआ, जिसमें युवाओं और समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पुण्यतिथि को बनाया सेवा का पर्व—रक्तदान शिविर का उद्देश्य केवल श्रद्धांजलि देना नहीं, बल्कि समाज में रक्तदान जीवनदान है का संदेश प्रसारित करना भी रहा। डॉ. महेश्वर सिंह ने कहा कि हम हर वर्ष अपने स्वर्गीय पिता की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आयोजित करते हैं। यह हमारे पिता के प्रति श्रद्धांजलि के साथ-साथ समाज के प्रति सेवा का संकल्प है।

रक्तदान सबसे बड़ा दान — अरुण सिंह—कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अरुण सिंह, कार्मिक प्रबंधक (एसईसीएल भटगांव) ने कहा कि रक्तदान ऐसा अमूल्य कार्य है जिससे किसी अजनबी को जीवन मिलता है।



यदि हर नागरिक वर्ष में एक बार रक्तदान करे, तो देश में रक्त की कमी कभी नहीं होगी। हमें अपने हर शुभ अवसर को समाजहित के कार्य से जोड़ना चाहिए।

रक्त का कोई विकल्प नहीं — मोह्लिका मुखर्जी—विशेष अतिथि मोह्लिका मुखर्जी, प्राचार्या (डीएवी पब्लिक स्कूल भटगांव) ने कहा कि रक्त मानव शरीर की वह अनमोल पूंजी है जिसका कोई विकल्प नहीं। एक व्यक्ति का रक्त दूसरे व्यक्ति को जीवन दे सकता है, यही इस दान की सबसे बड़ी विशेषता है। हमें गर्व होना चाहिए कि इस तरह के आयोजन समाज को जागरूक बना रहे हैं।

समाजसेवा में युवा और शिक्षकों की

सराहनीय भूमिका—इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों में राजेश यादव (कार्मिक प्रबंधक, एसईसीएल भटगांव), पी.आर. तोमर (प्राचार्य, शा.बा.हाई स्कूल भटगांव), जोसफ धन्ना स्वामी (प्राचार्य, ए.डी. जुबली स्कूल भटगांव), मानिकचंद गुप्ता (समाजसेवी), मो. सरफ़ाज (थाना प्रभारी भटगांव), डॉ. कमलेश सोनी, कमलेश सिंह (भाजपा कार्यकारिणी), राम प्रताप राजवाड़े (योग शिक्षक) सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने रक्तदान के इस अभियान को प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

रक्तदान — किसी चेहरे की मुस्कान का

कारण बनें—समिति के अध्यक्ष भूप्रसाद सूर्यवंशी ने कहा कि कभी किसी का जन्मदिन, वर्षगांठ या पुण्यतिथि हो उसे रक्तदान शिविर के रूप में मनाया ही सच्चा उत्सव है। जब हमारा दिया रक्त किसी अजनबी को नई जिंदगी देता है, तो वही सबसे बड़ी खुशी है। हमारे परिवार में भी हर अवसर रक्तदान से मनाया जाता है।

एनएसएस छात्रों की सक्रिय भागीदारी—रक्तदान शिविर में समिति के अध्यक्ष भूप्रसाद सूर्यवंशी, उपाध्यक्ष जावेद अंसारी, कोषाध्यक्ष रविशंकर प्रसाद अकेला, संरक्षक डॉ. महेश्वर सिंह, मीना सूर्यवंशी, सुरेश सोमा, पंकज कुमार, संजय यादव, ईश्वर कुंड़े, आदेश रवि, संतोष सिसोदिया, समीर, रामचरण सूर्यवंशी, एनएसएस अधिकारी धीरंज गुप्ता सहित महाविद्यालय के एनएसएस छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम में रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

रक्तदान करें - जीवन बचाएं—रक्तदान शिविर का समापन सभी रक्तदाताओं के प्रति आभार और समाज को ारक्तदान जीवनदान+ का संदेश देकर किया गया।इस आयोजन ने साबित किया कि श्रद्धांजलि केवल स्मरण नहीं, बल्कि सेवा से भी दी जा सकती है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने जन्मदिन पर किया हवन-पूजन, बच्चों संग बांटे खुशियों के पल, जरूरतमंदों को कंबल वितरित कर जताया स्नेह



सूरजपुर

छत्तीसगढ़ शासन की महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री एवं भटगांव विधानसभा क्षेत्र की विधायक लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने जन्मदिवस को सेवा, सद्भाव और जनकल्याण को समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और शांति के लिए हवन-पूजन कर मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

हवन-पूजन से की प्रदेशवासियों की मंगलकामना—मंत्री राजवाड़े ने ग्राम पंचायत बीरपुर स्थित अपने निज निवास में गायत्री परिवार के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन संपन्न किया। उन्होंने समाज के सर्वांगीण विकास और छत्तीसगढ़ की माताओं, बहनों, बच्चों व युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।पूजन उपरांत वे



बीरपुर के बारह मील स्थित हनुमान मंदिर पहुंचीं, जहाँ भगवान बजरंगबली के चरणों में नमन करते हुए प्रदेश की खुशहाली और सुरक्षा की प्रार्थना की।

बिलासपुर से आए कार्यकर्ताओं ने दी शुभकामनाएं—इस दौरान बिलासपुर से आए युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मंत्री को जन्मदिन की बधाई दी। शुभकामनाएं स्वीकार करते हुए मंत्री राजवाड़े ने कहा कि जनता का विश्वास और आशीर्वाद ही मेरे कार्य

इसके बाद पंडो समाज द्वारा आयोजित भंडारा कार्यक्रम में शामिल होकर उन्होंने जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए और सबके सुखद व स्वस्थ जीवन का कामना की। बाद में वे ग्राम पंडो नगर पहुंचीं, जहाँ बच्चों के साथ जन्मदिन मनाया, अध्ययन सामग्री बाँटी और पौधापोषण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

जनसंपर्क में दिखी आत्मीयता, हर चेहरे पर मुस्कान—हर स्थान पर बच्चों, माताओं, युवाओं और ग्रामीणों के साथ मंत्री का आत्मीय संवाद और स्नेहपूर्ण व्यवहार देखने को मिला। उनके साथ बिताए ये पल गाँववासियों के लिए यादगार बन गए। गाँव में दिनभर उत्सव का माहौल रहा। बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, परिजन, ग्रामीण और आमजन उपस्थित रहे और मंत्री के प्रति स्नेह और शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

ग्राम पंचायत औराईकला में युवाओं ने संभाली बदलाव की बागडोर – वी.एल.सी. (Village Level Club) का गठन



जांजगीर

ग्राम पंचायत औराईकला (विकासखण्ड बलौदा) में जिला प्रशासन एवं यूनिसेफ युवोदय कार्यक्रम के संयुक्त तत्वावधान में किशोर-किशोरियों के सशक्तिकरण हेतु वित्तेज लेखल क्लब का गठ किया गया।इस पहल का उद्देश्य गांव के युवाओं और किशोरों को सामाजिक विकास में सक्रिय भागीदारों के लिए प्रेरित करना है, ताकि वे स्वयं अपने गांव की समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान के लिए आगे बढ़ें।

नवनिर्मित डूझ में युवाओं का एक संरक्षक समूह गठित किया गया है, जो सामूहिक रूप से गांव में

जागरूकता और जनसहभागिता को बढ़ाने का कार्य करेगा। क्लब के माध्यम से सदस्य शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण, साइबर सुरक्षा, लिंक आधारित हिंसा की रोकथाम, बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत जैसी प्रमुख सामाजिक विषयों पर संवाद करेंगे।

इस अवसर पर विकासखण्ड बलौदा समन्वयक नरेन्द्र कश्यप ने उपस्थित सदस्यों को डूझ के उद्देश्य, इसकी कार्यप्रणाली तथा युवोदय कार्यक्रम की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि -> :युवाओं में परिवर्तन की अपार शक्ति होती है। यदि उन्हें सही दिशा और अवसर मिले, तो वे अपने गांव को एक आदर्श पंचायत

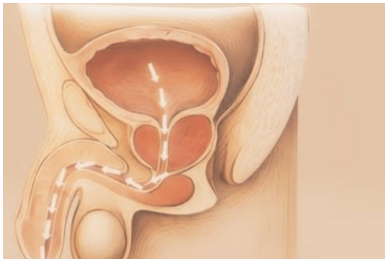
के रूप में विकसित कर सकते हैं।- क्लब में कु. किरण महंत का डूझ लीडर के रूप में चयनित किया गया, जबकि पिरतीन पटेल, संजना पटेल, तुलसी यादव, नेहा साहू, विनीता पटेल सदस्य के रूप में शामिल हुईं।

कार्यक्रम में इंटर्न हिमाचल श्रीवास्तव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत प्रतिनिधि तथा स्थानीय युवोदय स्वयंसेवक भी उपस्थित रहे। इस आयोजन से ग्राम पंचायत औराईकला में युवाओं में नई ऊर्जा और जिम्मेदारी की भावना का संचार हुआ, जो आने वाले समय में सामाजिक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

मूत्राशय की जन्म के बारे में लोगों के प्रश्न आ रहे थे। आज मैं सभी का जवाब देने जा रही हूं। धनिया (दाना) को मोटा मोटा कूटकर इसका छिलका अलग करें और बीजो के अंदर की गिरी निकालकर 300 ग्राम धनिया की गिरी 470 ग्राम धनिया में से 300 ग्राम की गिरी निकल सकती है। तथा बराबर भजन 300 ग्राम मिश्री कूंजा ले। दोनों को अलग-अलग पीसकर आपस में मिला ले। बस, दवा तैयार है।

सेवन विधि:- प्रातः शाम 6 -6 ग्राम की मात्रा में यह चूर्ण बासी पानी के साथ दिन में दो बार लें। प्रातः बिना खाए पिए रात को बासी पानी से 6 ग्राम फैंक ले। और उसके बाद एक-दो घंटे बाद कुछ ना खाएं। इसी प्रकार 6 ग्राम दवा शाम 4:00 बजे रात का भोजन इसके 2 घंटे बाद करें। यह मूत्राशय की जलन दूर करने में अद्वितीय है। जरूरत के हिसाब से 21 दिन तक ले। विशेष:-भयंकर कठिन से कठिन बीमारी में इसकी पहली दो खुराक से ही लाभ हो जाएगा। शीघ्र यदि अधिक पतले दस्त के रूप में होता है तो दूसरी मात्रा काहे 4:00 लेते कि बलाश रात्रि के समय सोने से आधा घंटा पहले लें, परंतु अगर कब्ज की शिकायत अधिक रहती है तो दूसरी मात्रा चाहे 4:00 बजे ही

ले। रात्रि सोते समय इसबगोल की भूसी 5 ग्राम से 15 ग्राम तक



ताजा पानी से लें। बिना किसी कष्ट के शीघ्र होगा। इसबगोल की पहली रात में थोड़ी मात्रा ले। अगर इससे आराम ना हो तो दूसरी रात्रि में मात्रा बढ़ा ले। 5 ग्राम से 15 ग्राम का सही मतलब है। इससे धुंधलाहट, सिरदर्द, चक्कर, नौद न आना आदि में अत्यंत हितकारी है। और पोटेशियम ब्रोमाइड की तरह दिल और दिमाग को कमजोर नहीं करती बल्कि इन्हें बल मिलता है। वीर्य की उत्तेजना और स्वप्नदोष में केवल भुजंगासन की उचित अभ्यास से स्थाई लाभ होता है।

अन्य विधि:- 10 ग्राम धनिया रात्रि में पानी में भिगो दें। सुबह उसे ठंडई की तरह पीसकर छानकर मिश्री मिलाकर सेवन करें। तासीर ठंडी होने के कारण सावधानी से आवश्यकता अनुसार दो-चार दिन लें। मूत्र की जलन ठीक हो जाएगी।

विकल्प -दही में पिसी हुई प्याज की चटनी मिलकर कुछ दिन खाने



से मूत्र की जलन बंद होती है यदि मूत्र करते समय मूत्र नदी में जलन हो तो तुलसी की चार-पांच पत्तियां दिन में दो बार खाली पेट चबाएं। ऊपर से एक दो घूंट पानी पी ले। चार दिन में आराम होगा। बेल की 10 पत्तियां सुबह-शाम बारीक पीसकर 280 ग्राम पानी में मिलाकर पिए। तीन-चार दिन में आराम हो जाएगा।

मूत्र में जलन रूकावट होने पर - केवल ठंडे पानी में तौलिया गिला करके नाभि के नीचे पेड़ू पर रखकर 15-20 मिन्ट लेते रहने की जन्म मिट जाएगी। मूत्र कम आना-दो छोटी इलायची को पीसकर फैंक कर दूध पीने से पेशाब खुलकर आता है।

मूत्र साफकरने के लिए-जौ का पानी, नारियल का पानी, गन्ने का रस, कुस्थी का पानी विशेष लाभकारी है। रात में तवे के बर्तन में रखा पानी पीने से लाभ मिलता है।

भोजन के साथ छछ पीने में थोड़ा हरा धनिया मिलाकर पानी पीना लाभप्रद है। मूत्र ज्यादा लाने के लिए- मक्की के भुंटे के रेशम से बाल 25 ग्राम से लेकर 250 ग्राम पानी में उबालें। एक लिहाई रहने पर छान कर वैसे ही पी जाएं। इससे मूत्र साफ और खुलकर आता है और जलन मिटकर रुक-रुक कर बूंद बूंद आना बंद होता है। गुर्दे का दर्द होने पर प्राय एवं साय लें। दर्द के समय भी इसे प्रत्येक दो-तीन घंटे बाद लिया जा सकता है। कई बार गुर्दे की पथरी भी इसे दिन में दो-तीन बार लेने से दो-चार दिन में निकल जाती है।

रूका हुआ मूत्र ~2 ग्राम जीरा और 2 ग्राम मिश्री दोनों को पीस का ठंडा जल के साथ फैंक लेने से रुका हुआ मूत्र खुलकर आ जाता है तथा मूत्र की जलन मिटती है। गुर्दे की खराबी से यदि मूत्र बना बंद हो जाए तो मूली के पत्तों का रस 60 ग्राम की मात्रा से पीने से वह फिर से बनने लगता है। इससे पेशाब की जलन मिट जाती है। मूत्र किसी भी कारण से बंद हो-एण्ड का तेल 25 से 50 ग्राम तक गर्म पानी में मिलाकर पीने से 15-20 मिन्ट में ही मूत्र खुल जाता है। जब हर प्रकार से हार जाए और किसी उपाय से मूत्र न उतरे तो यह जरूर करें।

मीना अग्रवाल आगरा

दीदी बरखा आनंद और भैया अर्चित आनंद ने दिया शिवभाव का प्रेरक संदेश, हजारों शिव शिष्यों ने पाया आध्यात्मिक अनुभव

विराट शिव गुरु महोत्सव में गूंजा दिव्य स्वर — शिव जन-जन के गुरु हैं

सूरजपुर/प्रतापपुर

शासकीय महाविद्यालय खेल मैदान, प्रतापपुर में रविवार को शिव शिष्य हरीन्द्रानन्द फ़उंडेशन के तत्वावधान में विराट शिव गुरु महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ। श्रद्धा, ज्ञान और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत इस महोत्सव में क्षेत्रभर से हजारों शिव शिष्य शामिल हुए। महोत्सव का मुख्य उद्देश्य था, महेश्वर शिव के गुरु स्वरूप से जन-जन को जोड़ना, ताकि हर व्यक्ति के भीतर शिवभाव जागृत हो और समाज अंधविश्वास, कुरीतियों तथा भेदभाव से मुक्त होकर सत्य, ज्ञान और शिव के मार्ग पर आगे बढ़े।

दीदी बरखा आनंद का आह्वान, शिव केवल नाम के नहीं, काम के गुरु हैं—मुख्य वक्ता दीदी बरखा आनंद ने अपने भावपूर्ण संबोधन में कहा कि शिव केवल नाम के नहीं, बल्कि काम के गुरु हैं। उनके ओढ़दानी स्वरूप से धन, संतान और संपद की प्राप्ति सर्वविदित है, परंतु अब समय है कि हम उनके गुरु स्वरूप से ज्ञान प्राप्त करें, क्योंकि ज्ञान के बिना कोई भी वैभव स्थायी नहीं हो सकता।उन्होंने कहा कि भगवान शिव जगत्गुरु हैं, जो धर्म, जाति या संप्रदाय की सीमाओं से परे हैं। शिव का शिष्य बनने के लिए किसी दीक्षा या अनुष्ठान की आवश्यकता नहीं होती। केवल यह भाव,शिव मेरे गुरु हैं, ही सच्ची शिष्यता की शुरुआत करता है।दीदी बरखा आनंद ने बताया कि साहब हरीन्द्रानन्द ने सन् 1974 में भगवान शिव को अपना गुरु



स्वीकार किया था। इसके बाद 1980 के दशक में शिव शिष्यता आंदोलन ने पूरे भारत में व्यापक स्वरूप ले लिया। उन्होंने और दीदी नीलम आनंद ने सभी से आग्रह किया कि वे जाति, धर्म और सामाजिक भेदभाव से ऊपर उठकर शिव के गुरु स्वरूप से जुड़ें।

भैया अर्चित आनंद का संदेश, शिव शिष्यता ही मानवता की सर्वोच्च साधना—भैया अर्चित आनंद ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिव शिष्यता का विचार किसी संप्रदाय की सीमा में नहीं बंधा, बल्कि यह आत्मा और परमात्मा के शाश्वत संबंध की अनुभूति कराता है। शिव का शिष्य होना केवल धार्मिक नहीं, बल्कि मानवीय चेतना का जागरण है।

शिव के मार्ग पर चलना ही सच्चे अर्थों में मानवता की सर्वोच्च साधना है। उन्होंने शिव शिष्यता के तीन सूत्र साझा करते हुए बताया कि पहला सूत्र - हे शिव, आप मेरे गुरु हैं, मैं आपका शिष्य हूँ, मुझ पर कृपा

करें।दूसरा सूत्र - सबको बताना और समझाना है कि शिव गुरु हैं, ताकि अधिक लोग उनसे जुड़ सकें। तीसरा सूत्र - मन ही मन अपने गुरु शिव को प्रणाम करें, चाहे 'नमः शिवाय' मंत्र से या अपने भाव से। भैया अर्चित आनंद ने स्पष्ट किया कि इन तीन सूत्रों से परे किसी भी प्रकार के अंधविश्वास या आडंबर की कोई आवश्यकता नहीं है। यही सूत्र आत्मबोध और शिवभाव के आधार हैं।

श्रद्धा और भक्ति से सजा शिवमय परिसर—पूरा आयोजन स्थल भक्ति और शिवभाव से ओतप्रोत रहा। मंच और परिसर को भव्य रूप से सजाया गया था, जहाँ हर ओर 'हर-हर महादेव' के उद्बोध गूंज रहे थे। आसपास के गाँवों और नगरों से हजारों शिव शिष्य परिवारों ने पहुंचकर महोत्सव की गरिमा को और बढ़ाया।

लोकप्रतिनिधियों की उपस्थिति ने बड़ाई आयोजन की शोभा—कार्यक्रम में विशेष रूप से मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी कौशल्या

देवी साय, वन विकास निगम अध्यक्ष एवं कैबिनेट दर्जा प्राप्त रामसेवक पैकरा, विधायक शकुंतला सिंह पोते, जिला पंचायत अध्यक्ष चन्द्रमणि देवपाल पैकरा, जिला सदस्य लवकेश पैकरा, मंडल अध्यक्ष मुकेश अथवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष मानती सिंह तथा उपाध्यक्ष अजित शरण सिंह (बुझू बाबा) सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

समापन में गूंजा संदेश, आओ चलें शिव की ओर—महोत्सव के समापन सत्र में शिव शिष्य हरीन्द्रानन्द फ़उंडेशन और जिला आयोजन समिति सूरजपुर ने सभी आगंतुकों, अतिथियों, प्रशासन, मीडिया प्रतिनिधियों और गुरु भाई-बहनों का हृदय से आभार व्यक्त किया। अंत में पूरे सभागार में एक स्वर गूंजा, आओ चलें शिव की ओर, क्योंकि शिव जन-जन के गुरु हैं। यही जीवन का सार है, यही आत्मा का आधार है।

ऋण के जाल में फंसे देशों से भारत के राज्यों को मिलती है सीख



प्रहलाद सबनानी

विभिन्न राज्यों के वित्तीय घाटे की स्थिति एवं प्रवृति पर गम्भीरता पूर्वक विचार कर इस पर रोक लगने का समय अब आ गया है। उत्पादक कार्यों पर सब्सिडी दी जाय तो ठीक है परंतु यदि यह लोक लुभावन वायदों को पूरा करने पर दी जा रही है तो इन पर अब अंकुश लगाया जाना चाहिए।

वैश्विक स्तर पर कई विकासशील एवं अविकसित देशों पर लगातार बढ़ रहे ऋण के दबाव के चलते इन देशों की अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव स्पष्टतः दिखाई दे रहा है। इन देशों द्वारा अपने नागरिकों को लम्बे समय तक मुफ्त सुविधाएं उपलब्ध कराना जारी रखा गया है एवं यहां को सरकारों द्वारा अपने आय के साधनों में पर्याप्त वृद्धि नहीं की गई है। नागरिकों को दी जाने वाली सुविधाओं को ऋण लेकर भी जारी रखना अब इन देशों के लिए आत्मघाती निर्णय साबित होता हुआ दिखाई दे रहा है, और आज यह देश दिवालिया होने के मुहाने पर खड़े हैं तथा इन्हें अपना सामान्य प्रशासन चलाने के लिए खर्च करने हेतु भी ऋण लेना पड़ रहा है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक आंकलन के अनुसार, अक्टूबर 2025 में वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद का 98.9 प्रतिशत सार्वजनिक ऋण बकाया है, जो वर्ष 2030 तक 102.3 प्रतिशत तक बढ़ जाने की सम्भावना है। विभिन्न देशों के सार्वजनिक ऋण, आय से अधिक खर्च करने की प्रवृति, अधिक व्याज दर, आय में कम वृद्धि होना, आदि कारकों के चलते लगातार बढ़ता जा रहा है। विकासशील एवं अविकसित देश अपनी आय में वृद्धि नहीं कर पाते हैं परंतु, उन्हें अपने नागरिकों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए खर्च लगातार बढ़ाते रहना होते हैं। इन्हीं कारणों के चलते श्रीलंका, अर्जेंटीना, सूडान, ग्रीस, मालदीव, सेनेगल, आदि देशों में तो आर्थिक आपातकाल की घोषणा करनी पड़ी थी एवं विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं अन्य वैश्विक वित्तीय संस्थानों द्वारा इन देशों की मदद के लिए आगे आना पड़ा था, अन्यथा यह देश लगभग दिवालिया घोषित होने की स्थिति में पहुंच गए थे। वर्ष 2025 में विश्व के प्रथम 10 देशों में, जिनका ऋण का सकल घरेलू उत्पाद से प्रतिशत सबसे अधिक है, शामिल हैं- जापान (229.6 प्रतिशत), सूडान (221.5 प्रतिशत), सिंगापुर (175.6 प्रतिशत), ग्रीस (146.7 प्रतिशत), बहरीन (142.5 प्रतिशत), इटली (136.8 प्रतिशत), मालदीव (131.8 प्रतिशत), अमेरिका (125 प्रतिशत), सेनेगल (122.9 प्रतिशत) एवं फ्रान्स (116.5 प्रतिशत)। ग्रीस, घाना, हैती, मोजांबीक, पाकिस्तान, जांबिया, फिलिपीन्स, श्रीलंका, कोन्या, अर्जेंटीना, आदि देशों द्वारा अधिक मात्रा में लिए गए ऋण के चलते इनकी वित्तीय स्थिति डावांडोल हो चुकी है। इन देशों द्वारा अपने खर्चों को



व्यवस्थित तरीके से नहीं किया गया था एवं केवल जनता को मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध कराना लम्बे समय तक जारी रखा गया था तथा साथ में आय बढ़ाने के साधनों पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया। इससे इन देशों का बजटीय घाटा लगातार बढ़ता रहा तथा मजबूरी में इन्हें अपने साधारण सरकारी कामकाज चलाने के लिए भी ऋण लेते रहना पड़ा है। वर्ष 2001 में युगांडा में वित्तीय संकट खड़ा हो गया था एवं उस समय पर युगांडा अपने सामान्य खर्चों को जारी रखने के स्थिति में भी नहीं था।

भारत में भी कुछ राज्य 'फ्रीबी' के नाम पर कुछ ऐसी योजनाएं चला रहे हैं जिनके अंतर्गत राज्य की जनता के बिजली एवं पानी के बिल समय समय पर माफ किये जा रहे हैं। किसानों, बुजुर्गों एवं मातृशक्ति के बैंक खातों में सीधे ही कुछ राशि प्रति माह जमा की रही है। जबकि, इन राज्यों की वित्तीय स्थिति इतनी अच्छी नहीं है कि इनके बजट इस अतिरिक्त खर्च को वहन कर सकें। कुछ राज्य तो आज मजबूरी में इन योजनाओं को चलायमान बनाए रखने के लिए बाजार से ऊंची व्याज दर पर ऋण भी लेने लगे हैं। जिसका प्रभाव इन राज्यों की वित्तीय स्थिति पर विपरीत रूप से पड़ रहा है। यदि समय पर ये राज्य नहीं चेते एवं इन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं किया तो ये राज्य अपने भारी भरकम ऋणों पर व्याज अदा करने में चूक करने की ओर आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। जाहिर तौर पर जब राज्यों

की आर्थिक स्थिति की चर्चा होती है तो इसका असर राज्यों के विकास और इन राज्यों में निवास कर रहे नागरिकों के जीवन पर भी पड़ता है। लोकलुभावन राजनीति इन राज्यों की वित्तीय स्थिति को बहुत बुरे तरीके से प्रभावित कर रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के वार्षिक प्रतिवेदन में भी राज्यों की वित्तीय स्थिति को लेकर कई गंभीर पहलु और सवाल खड़े किए गए हैं। विशेष रूप से पंजाब, केरल, झारखंड, राजस्थान और पश्चिम बंगाल आदि राज्य बढ़ते कर्ज के बोझ तले दबे जा रहे हैं और इन राज्यों की अर्थव्यवस्था संकट के दौर से गुजर रही है। हाल ही के समय में पंजाब, केरल, राजस्थान, पश्चिम बंगाल एवं बिहार को वित्तीय सेहत बहुत बिगड़ी है।

सभी राज्यों की वित्तीय सेहत का विस्तार से आकलन करने पर ध्यान में आता है कि कई राज्यों द्वारा अनियंत्रित रूप से चलाई जा रही मुफ्त योजनाओं, लोकलुभावन घोषणाओं, अत्यधिक सब्सिडी देने एवं पुरानी पेंशन योजना बहाली से इन राज्यों की वित्तीय सेहत बहुत बुरी तरह से बिगड़ रही है। राज्य, विशेष रूप से सत्ता प्राप्त करने के उद्देश्य से, कई लोकलुभावन घोषणाएं करते हैं जैसे कि बिजली एवं पानी मुफ्त में उपलब्ध कराने का वादा, उर्वरकों पर सब्सिडी प्रदान करने का वादा आदि जिसका सीधा असर राज्य की माली हालत पर पड़ता है। पंजाब की आर्थिक स्थिति पूर्व में ही बहुत गम्भीर अवस्था में पहुंच चुकी है फिर वहां नई

सरकार ने किए गए चुनावी वादे अर्थात मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के अपने वादे पर कार्य करना शुरू कर दिया है जिससे पंजाब की स्थिति निश्चित रूप से और अधिक बिगड़ने जा रही है और पंजाब को ऋण की किरत एवं ऋणों पर व्याज अदा करने हेतु भी ऋण लेना पड़ रहा है। किन परिस्थितियों में, कितने प्रकार की, कितनी और किस स्तर तक लोक लुभावन घोषणाएं की जानी चाहिए, इस सम्बंध में अब नियम बनाने का समय आ गया है। वैसे यदि ऋण को उत्पादक कार्यों पर खर्च किया जाय तो अधिक ऋण-सकल घरेलू अन्पात अपने आप में बुराई नहीं है परंतु जब ऋण लेकर इसे अनुत्पादक कार्यों जैसे मुफ्त बिजली एवं मुफ्त पानी उपलब्ध कराने जैसे कार्यों पर खर्च किया जाता है तो इसका राज्य की आर्थिक व्यवस्था पर बहुत ही बुरा असर पड़ता है। चुनावों के वादे पूरे करने के लिए राज्यों द्वारा ऋण लिए जा रहे हैं। इन्हीं कारणों के चलते पंजाब की आर्थिक हालत आज बहुत ही दयनीय स्थिति में पहुंच गई हैं। देश के कई राज्य आज ऐसी स्थिति में पहुंच गए हैं कि इन राज्यों को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक मदद यदि समय पर नहीं पहुंचाई जाती तो इन राज्यों की स्थिति भी आर्जेंटीना, श्रीलंका अथवा ग्रीस जैसी बनती दिखाई देती। कुछ राज्यों की स्थिति तो यह है कि इनके रोजमर्रा के खर्च चलाने के लिए उनकी कुल आय का 90 प्रतिशत भाग इन खर्चों पर उपयोग हो जाता है जिसके परिणाम स्वरूप राज्य के विकास कार्यों पर खर्च करने को कुछ बचता ही नहीं है। अब इन राज्यों की आय कैसे बढ़े? इन राज्यों द्वारा लगातार की जा रही लोक लुभावन घोषणाओं के कारण इन राज्यों के खर्च लगातार अनियंत्रित रूप से बढ़ते जा रहे हैं। इस तरह के खर्चों को करने के लिए नित नए ऋण लिए जा रहे हैं और इन ऋण राशि का उपयोग उत्पादक कार्यों में नहीं लगा पाने के कारण ये राज्य अपनी आय में वृद्धि भी नहीं कर पा रही हैं। इस प्रकार ये राज्य 'डेट ट्रेप' की स्थिति में फंसे जा रहे हैं। आय का 25 से 30 प्रतिशत भाग ऋण का व्याज भुगतान करने में ही खर्च हो रहा है। पंजाब तो अब आर्थिक मदद के लिए केंद्र सरकार से लगातार गुहार लगा रहा है। इसी तरह राजस्थान, केरल, पश्चिम बंगाल एवं बिहार की स्थिति भी बिगड़ रही है। अगर राज्य पूंजीगत खर्च नहीं कर रहे हैं तो आपरा भविष्य अंधकारमय बना रहे हैं। इस प्रकार तो भविष्य में इन राज्यों की विकास दर भी रुक जाने वाली है।

बचपन के रंगों में रचा-बसा था नेहरू जी का जीवन दर्शन

ज्यादा इज्जत और खुशी की बात भला मेरे लिए और क्या हो सकती है कि मेरे मुल्क के बगीचे के इन कोमल फूलों और कोपलों ने मुझे अपना इतना स्नेह दिया है। मेरी यही कामना है कि इन सबको फलने-फूलने का पर्याप्त अवसर मिले।'

पं. जी के जीवनकाल के अनेक ऐसे संस्मरण एवं किस्से उद्धृत किए जा सकते हैं, जो उनकी महान-शक्तिमय और बच्चों के प्रति उनका अपार स्नेह बयान करते हैं। एक बार नेहरू जी बाल मंदिर देखने गए थे, जहां तीन से पांच साल तक के बच्चे पढ़ते थे। उस समय सभी बच्चे नाच-गाने में मग्न थे। जब पंडित जी वहां पहुंचे और दूर बैठकर बच्चों का नाच-गाना देखने लगे तो एक चार वर्षीया बालिका उनके पास आई और बड़े अनुप्रासपूर्वक कहा कि आप भी हमारा साथ दीजिए। पहले तो पंडित जी काफी ना-नुकुर करते रहे। उन्होंने बच्चों को यह कहकर बहलाने का प्रयास भी किया कि इस बार तो नहीं लेकिन अगली बार तुम्हारे साथ जरूर नाचूंगा लेकिन जब उस बच्ची ने जिद पकड़ ली तो आखिर पंडित जी को उस छोटी सी बच्ची के आगे झुकना पड़ा और इतने विशाल देश के प्रधानमंत्री होते हुए भी उन बच्चों की खुशी के लिए उनके साथ वे बच्चा बनकर नाचे।

जब दीवाली का मौका होता तो वे अपने नाती राजीव और संजय के बाल मित्रों को आनंद भवन बुलाते और उनके साथ दीवाली मनाते हुए कहते कि बच्चों आतिशबाजी चलाकर दीपावली मनाओ और खुशियां बांटो। जो बच्चे पटाखे चलते हुए डरते, उन्हें कहते कि जो बच्चे इन छोटे-छोटे पटाखों से ही डर जाएंगे,

वे आगे चलकर देश के बहादुर सिपाही कैसे बनेंगे? कभी-कभी वह इलाहाबाद में दीवाली की रात बाहर का नजारा देखने निकल पड़ते और रास्ते में गरीब बच्चों को भी मिठाईयां, नए कपड़े और पटाखे देते हुए उनके साथ पटाखे चलाने लगते।

एक बार उन्हें किसी जरूरी काम से दीवाली पर मार्फत जाना पड़ा। उस समय तक वहां दीवाली के मौके पर पटाखे नहीं फटाए जाते थे लेकिन पंडित जी की दीवाली तो बच्चों के साथ पटाखे चलाए बिना अधूरी थी। इसलिए उन्होंने वहां भी बच्चों से पटाखे मंगवाए और काफी बच्चों को एकत्रित कर उनके साथ पटाखे चलाने लगे। वहां के बच्चे पटाखों की रंग-बिरंगी रोशनी और धूमधड़के से बहुत प्रभावित हुए और खुशी से झूम उठे। उसके बाद से मारको में भी हर साल दीवाली के मौके पर पटाखे चलाने का दौर शुरू हो गया।

नेहरू जी छोटे थे, तब की एक घटना है। एक बार मैदान में कुछ बच्चों गेंद से खेल रहे थे। खेलते-खेलते गेंद उल्टकर लकड़ी के एक खोल में जा गिरी। खोल का मुंह छोटा था, इसलिए बच्चों से बहुत कोशिश के बाद भी गेंद नहीं निकल पा रही थी। जब नेहरू जी ने बच्चों की परेशानी को देखा तो उनसे रहा न गया। उन्होंने उन बच्चों से दो बावटी पानी मंगवाया और पानी लकड़ी के उस खोल में भर दिया। फिर क्या था, पानी बहने ही गेंद पानी में उभर आ गई और उन्होंने गेंद निकालकर बच्चों को दे दी। सभी बच्चे बालक



जवाहरलाल की बुद्धिमत्ता से बहुत प्रभावित हुए। बच्चों के साथ-साथ देश और जनता से भी नेहरू जी बहुत प्यार करते थे और यही कारण था कि अधिकांश देशवासी भी उनसे उतना ही स्नेह करते थे और उन्हें आदर-सम्मान देते थे, जितना बच्चे देते थे। 74 वर्ष की आयु में 27 मई 1964 को पंडित जी स्वर्ग सिंधार गए लेकिन अपने निधन से पूर्व अपनी वसीयत में उन्होंने लिखा, 'मेरे मरने के बाद मेरी अस्थियां देश के उन खेतों में बिखरे दी जाएं, जहां भारत का किसान अपना पसीना बहाता है ताकि वे देश की मिट्टी में मिल जाएं।' ऐसे थे बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू!

(लेखिका डेढ़ दशक से अधिक समय से शिक्षण क्षेत्र में सक्रिय शिक्षाविद हैं)

संपादकीय

आतंकवाद के डाक्टर

परिस्थितिजन्य तफसील से यह स्पष्ट हो चुका है कि दिल्ली विस्फोट 'आतंकी हमला' ही था। प्रधानमंत्री मोदी ने भी कहा है कि षट्चक्रकारियों को बख्शा नहीं जाएगा। सामान्य धमाके में साजिशकार नहीं होते। बुधवार को प्रधानमंत्री की ही अध्यक्षता में कैबिनेट की सुरक्षा समिति (सीसीएस) की बैठक हुई। अक्सर यह युद्ध और आतंकी हमले के बाद ही बुलाई जाती है। इस समिति में प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, गृहमंत्री, विदेश मंत्री, वित्त मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार आदि होते हैं। युद्ध की स्थिति में तीनों सेना प्रमुखों को भी बुलाया जाता है। गृह सचिव और आईबी निदेशक भी बैठक में सम्मिलित होते हैं। दिल्ली विस्फोट की जांच 'राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी' (एनआईए) को सौंपी गई है, जिसे आतंकी हमलों की गहन जांच की विशेषज्ञता हासिल है। इस संदर्भ में फरीदाबाद की 'अलफलाह यूनिवर्सिटी' आतंकवाद के नए अड्डे के तौर पर उभरी है। फरीदाबाद के गांवों से जो 2900 किग्रा. विस्फोटक रसायन बरामद किया गया था, उसकी भूमिका भी साफ हो गई है। जो डॉ. उमर मुहम्मद कार-विस्फोट में मारा गया है, वह इसी मॉडिकल यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर था। वह जिस तरह मरा है, उसे हम एक नए किस्म का 'फिदायीन बॉम्बर' मान सकते हैं, क्योंकि उसकी कार में विस्फोटक था और उसी ने उसे सक्रिय किया होगा। जांच से बिल्कुल पारदर्शी स्पष्ट हो जाएगा। उमर कश्मीर के पुलवामा के कोडल गांव का निवासी था। विस्फोटक रसायन वाला आतंकी डॉ. मुर्जिम्मल शर्कील भी इसी गांव का रहने वाला था। वह इस आतंकी यूनिवर्सिटी में ही एसोसिएट प्रोफेसर था। तीसरा डॉ. सज्जाद अहमद भी पुलवामा का था। अलफलाह यूनिवर्सिटी में ही 45 वर्षीया डॉ. शाहीन सईद पदस्थ थी और एमबीबीएस, एमडी स्तर की फार्मकोलॉजी विशेषज्ञ थी। वह जैश-ए-मुहम्मद के सरना आतंकी मसूद अजहर और उसकी बहन सादिया के नेतृत्व में आतंकी संगठन की महिला विंग 'जमात उल मोमिनात' की भारत में मुखिया थी। उसे संगठन में 'जेहादी औरतों' की भर्ती का जिम्मा दिया गया था। उसके भाई डॉ. परवेज को भी उग्र एटीएस ने गिरफ्तार कर लिया है। 38 वर्षीय डॉ. आदिल कश्मीर के काजीकुंड का निवासी था और सहारनपुर, उग्र में सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर था। यदि कश्मीर के नौगाम में जैश के धक्की वाले पोस्टर नहीं लगते, तो शायद आतंकवाद के 'डॉक्टर मॉडयूल' का पदार्पण न होता। इस गिरोह के 8 आतंकियों में 4 डॉक्टर कश्मीरी, 2 उग्र के हैं और दो मौलवी-इमाम शामिल हैं। सभी पुलिस की गिरफ्त में हैं। उमर विस्फोट में भस्म हो चुका है।

चिंतन-मनन

सफलता का मार्ग

संग्रह की वृत्ति बहिर्मुखता का लक्षण है। साधक क्षणजीवी होता है। अतीत की स्मृति और भविष्य की चिंता वह करता है जो आत्मस्थ नहीं होता। वर्तमान में जीना आत्मस्थता का प्रतीक है। एक साधक कल की जरूरत को ध्यान में रखकर संग्रह नहीं करता, पर एक व्यवसायी सात पीढ़ियों के लिए पूरी व्यवस्था जुटाने में संलग्न रहता है। यह बात सही है कि साधक अशरीरी नहीं होता, शरीर की अपेक्षाओं को वह गौण नहीं कर सकता; पर दैहिक अपेक्षाओं को लेकर वह मुद्द नहीं हो सकता। उसका विवेक जागृत रहता है। वह अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखता है और आकांक्षाओं पर नियंत्रण रखता है। कभी-कभी साधक के जीवन में भी स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति जाग सकती है। प्रश्न उठता है कि इन वृत्तियों का उत्स क्या है? कौन-सी अभिप्रेरणा इन्हें उभरने का अवसर देती है? मेरे अभिमत से इन तीन संस्कारों का उद्भव तीन आकारों से होता है। वे तीन आकार हैं- अहं, अश्रम और अस्तौषा। स्वच्छंदता की मनोवृत्ति वहीं सक्रिय होती है, जहां अहंकार का नाग फन उठाए रखता है। अहंवादी व्यक्ति स्वयं को सब कुछ समझता है। उसे अपने सामने अन्य सभी लोग बौने दिखाई देते हैं। ऐसी स्थिति में वह न तो किसी से मार्गदर्शन ले सकता है और न किसी के नियंत्रण में रह सकता है।

सुविधावाद का भाव वहां विकसित होता है जहां व्यक्ति श्रम से जी चुराता है, अपनी क्षमता का उपयोग नहीं करता और पुरुषार्थ में विश्वास नहीं करता। अश्रम का बीज ही आगे जाकर सुविधावाद के रूप में पल्लवित होता है। इस दृष्टि से साधना के साथ श्रमशीलता की युति आवश्यक है। संग्रह वृत्ति का बीज है असंतोष। जिस व्यक्ति को पदार्थ में संतोष नहीं होता, वह संग्रह करने की बात सोचता है। जिस समय जैसा पदार्थ उपलब्ध होगा, उसी से आवश्यकता की पूर्ति हो जाएगी- यह विधायक चिंतन असंतोष की जड़ को काट सकता है और संग्रह की मनोवृत्ति को बदल सकता है। साधना की सफलता स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति में नहीं है।



श्वेता गौयल

जब प्रधानमंत्री बने बच्चों के खेल के साथी... भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की शक्तिमय से भला कौन परिचित नहीं होगा। बच्चों से उन्हें इतना लगाव था कि उन्हें प्यार से 'बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू' कहा जाने लगा था। अपने कोट की जेब पर हमेशा प्रेम का प्रतीक गुलाब का फूल लगाए रहने वाले जवाहरलाल नेहरू बच्चों से इतना स्नेह करते थे कि आज भी वह देश के प्रथम प्रधानमंत्री से पहले 'चाचा नेहरू' के रूप में ही अधिक याद किए जाते हैं। बच्चों के प्रति पंडित नेहरू के इस विशेष लगाव को देखते हुए ही सन् 1956 से उनके जन्मदिन को 'बाल दिवस' के रूप में मनाने का निश्चय किया गया था और तभी से पंडित नेहरू का जन्मदिवस (14 नवंबर) बाल दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। जब उनके जन्मदिवस को 'बाल दिवस' के रूप में मनाने का निश्चय किया गया था, तब नेहरू जी ने कहा था, 'मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि मेरे देश के बच्चों ने मेरे जन्मदिन को ही 'अपना दिन' बना लिया है। इससे



मनोज कुमार अग्रवाल

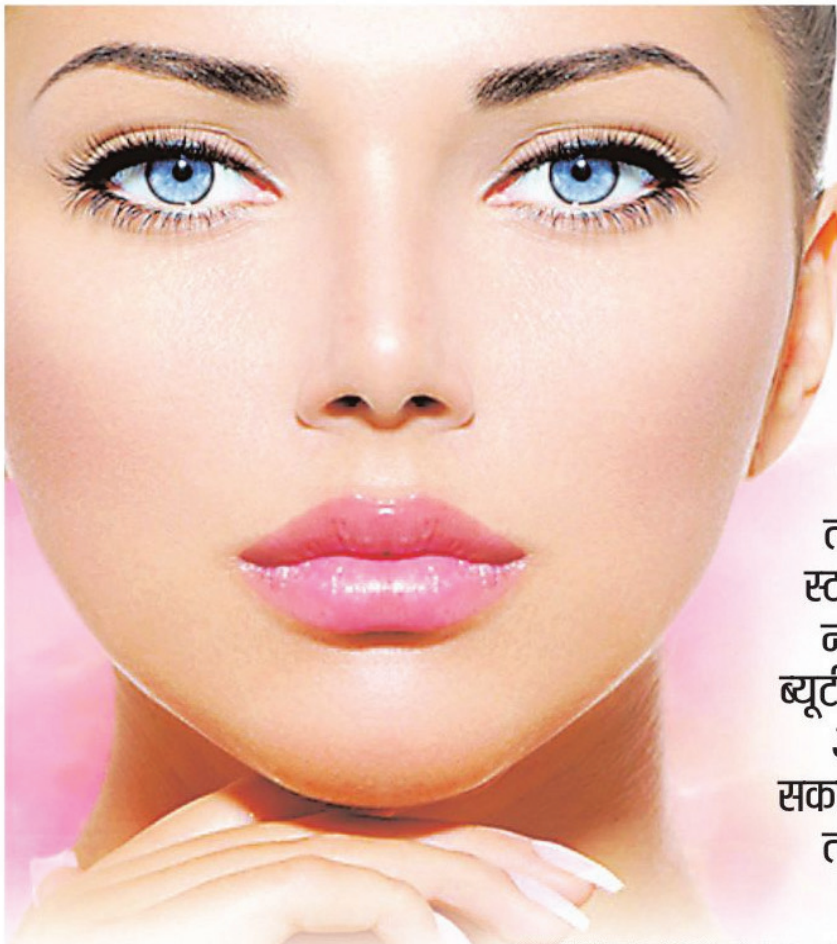
ला लकिला विस्फोट साजिश मामले में उच्च शिक्षित छह डॉक्टरों के नाम जुड़ जाने के बाद कई मिथक टूट रहे हैं जैसे अशिक्षा और बेरोजगारी आतंकवाद को जन्म देती है आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता है। इस मामले में शिक्षित और लाखों मासिक की तनख्वाह पाते वाले सभी मुस्लिम दहशतगर्दी की साजिश से जुड़े मिले हैं। सवाल है कि इन्हें कौन रेंडिक्क्लाइज (उग्र कट्टरपंथी) बना रहा है? जिंदगी देने वाले डॉक्टर ही दहशत फैलाने का औजार कैसे बन गए? ये कौन सी मजहबी तालीम है जो उच्च शिक्षित एम डी डॉक्टर्स का भी ब्रेनवॉश कर उन्हें दहशत फैलाने के नापाक मंसूबों से जोड़ देती है? पिछले कुछ दिनों से देश के अलग-अलग शहरों में आतंकियों की गिरफ्तारी और विस्फोटक सामग्रियों की ब्रामदी के बीच सोमवार शाम को लाल किले के पास जोरदार धमाका होना इस बात का प्रमाण है कि संभवत आतंकियों ने इस घटना को बौखलाहट में अंजाम दिया है, लेकिन इनके साथ यह भी साबित होता है कि आतंकी देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी जड़ें जमा चुके हैं। आतंक का जाल पूरे देश में फैल चुका है। दिल्ली में लाल किले के पास हुए जोरदार धमाके में 12 लोगों की मौत और दो दर्जन से ज्यादा लोगों का घायल होना काफी दुःखद और हृदयविदारक घटना है, क्योंकि यह दुःखद इतना भयानक था कि लोगों के चिथड़े उड़ गए। धमाके की वजह साफ नहीं है, क्योंकि दिल्ली पुलिस ने इस संबंध में कुछ नहीं कहा है, लेकिन माना जा रहा है कि आतंकियों ने ही अपने

नापाक मनसूबों को अंजाम दिया है।

संभवत दिल्ली में विस्फोट कर आतंकी पूरे देश में यह संदेश देना चाह रहे हैं कि तमाम गिरफ्तारियों के बीच उनका मनोबल गिरा नहीं है। दिल्ली, जो देश की प्रशासनिक और राजनीतिक धुरी है, में लाल किले जैसा ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक स्थान पर धमाका होना, सीधे-सीधे देश की सुरक्षा व्यवस्था और खुफिया एजेंसियों को चुनौती है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब श्रीनगर, अर्न्तनाग, गांदरबल, शोपियां, फरीदाबाद और सहारनपुर में व्यापक छापेमारी चल रही थी और सात सदियों की गिरफ्तारी के साथ भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई थी। इसलिए यह मामला तर्कसंगत होगा कि यह धमाका आतंकियों की बौखलाहट में की गई कार्रवाई हो सकती है, लेकिन इसकी भयावहता इस बात में है कि यह दिखाता है कि नेटवर्क अब भी सक्रिय और संगठित है। आंकड़े और घटनास्थल की विस्तृत जानकारी ने यह संकेत दिया है कि यह कोई साधारण विस्फोट या हमला नहीं था, बल्कि लंबी परतों में फैला एक नेटवर्क चल रहा था। देश में विभिन्न स्थानों से कुल मिलाकर लगभग तीन टन के आसपास विस्फोटक पदार्थ और संबंधित सामग्री बरामद हुई है, और मामला एक व्हाइट कलर आतंकी मॉडयूल से जुड़ा बताया जा रहा है यानी प्रोफेशनल्स, छात्र और नागरिक का भी शामिल होना समझ को झकझोर देता है। सबसे सन्ध करने वाली बात यह है कि जिन लोगों पर संदेह हुआ उनमें मेडिकल डॉक्टर भी शामिल थे। रिपोर्ट बताती ताती हैं कि अर्न्तनाग के एक सरकारी मेडिकल कॉलेज से एक-47 राइफल बरामद की गई और दो-तीन डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद यहीं से छानबीन आगे बढ़ी। जिन डॉक्टरों का नाम सामने आया है, उनमें अरविन्द हिरासत में लिया गया जिस कार में विस्फोट किया गया उस भी एक डॉक्टर उग्र चला रहा था कुल छह डॉ के नाम सामने आ चुके हैं। इस से पता चल रहा है कि कैसे ईमानदार पेशेवर आइ लेकर संवेदनशील स्थानों और सामाजिक विश्वास के ऊपर से भी आतंकी गतिविधियों को संचालित किया जा सकता है। इससे

पहले गुजरात से तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया गया था, जिन्होंने पृष्ठताल में कई बड़े खुलासे किए हैं। आतंकियों ने हमले की तैयारी के लिए अहमदाबाद, लखनऊ और दिल्ली जैसे शहरों की रेकी की थी और आतंकी घटनाओं से इन्हें दहलाने की साजिश भी रची थी। आतंकियों के मुताबिक अहमदाबाद के भीड़भाड़ वाले इलाकों का नक्शा तैयार किया गया था। वहीं लखनऊ में आरएसएस के कार्यालय को भी निशाना बनाने के मंसूबे थे। दिल्ली में आतंकियों की नज्रें आजादपुर मंडी इलाके पर थी। प्रारंभिक जांच में पता चला कि आतंकी राईसिन नामक जहर बना रहे थे जिससे हजारों लोगों को जान से मारने की तैयारी थी। पुलिस पृष्ठताल में एक अहम खुलासा यह भी हुआ था कि आतंकवादी आजाद शेख एक हफ्ते तक जम्मू-कश्मीर में रहा था, जहां पर उसने कुछ संवेदनशील इलाकों का जहा कार्रवायों भी जुटाई थीं। आतंकियों ने हर जगह पर मौसम, शहरी बनावट और ट्रैफिक की पुख्ता जानकारी जुटाई थी। सभी आतंकी पाकिस्तान से संपर्क में थे और अपने आकाओं के इशारों पर काम कर रहे थे। पाकिस्तानी आकाओं के इशारों पर ही आतंकियों ने भारत में बड़े नरसंहार की योजना रची थी। वह लोगों को राईसिन नाम का जहर देकर मारने की प्लानिंग कर रहे थे। आतंकी अहमद सैयद कई दिनों से राईसिन पाईजन इकट्ठा कर रहा था, ताकि मंसूबों को अंजाम दिया जा सके। निःसंदेह यह दौर बहुआयामी चुनौतियों का है। एक ओर केंद्र तथा राज्य एजेंसियों की त्वरित कार्रवाई और अंतर-एजेंसी समन्वय का जो नमूना हमें इन छापों से दिखा, वह सराहनीय है, सही सूचना-इटेलिजेंस के भरोसे तेजी से छापे हुए गए और संभावित बड़े हादसों को रोका गया। दूसरी ओर यह भी स्पष्ट है कि हमारी जांच-विधान, संस्थागत निगरानी और पंजीकरण तंत्र में ऐसे षट्चक्रों को पकड़ने-समेट रोकने के लिए और सुधार की जरूरत है। आज जिस तरह से आतंकवाद का चेहरा परिवर्तित हो रहा है, निःसंदेह वह भयभीत करने वाला है। लेकिन इससे कल होशियार होना भी आसान है, क्योंकि जब हमें पता चल गया है कि डॉक्टर,

प्रोफेशनल्स, छात्र संघ, कहीं-कहीं सामान्य दिखने वाला व्यक्ति भी हमारी सुरक्षा व्यवस्था के लिए खतरा बन सकता है, तो हमें सिर्फ चिन्ता नहीं करनी, बल्कि सटीक कार्रवाई करनी होगी। आतंक को मात देने का समय अब है। हमें पीछे मुड़कर नहीं देखना, बल्कि आगे बढ़ना है, सामूहिक रूप से, सतर्क रूप से, अडिग रूप से। मगर इतना तय है कि लाल किले के पास धमाका कोई साधारण घटना नहीं है, यह एक तरह से देश पर हमला है। यह हम सबको यह याद दिलाता है कि आतंक का जाल अब हमारी गलियों, विश्वविद्यालयों, डिजिटल चैट ग्रुपों और वित्तीय तंत्रों में घुस चुका है। अब यह युद्ध सिर्फ सैनिकों या पुलिस का नहीं, बल्कि नागरिक समाज, तकनीकी संस्थानों, शिक्षकों, और नीति निर्माताओं सहित हम सबका है। हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना होगा जहां सुरक्षा सिर्फ हथियारों से नहीं, बल्कि विश्वास, शिक्षा, न्याय और एकता से सुनिश्चित की जाए। आतंकवाद को हराने का अर्थ सिर्फ आतंकियों को मारना नहीं, बल्कि उस मानसिकता को खत्म करना है जो उन्हें जन्म देती है। इसके लिए सबसे पहले खुफिया एजेंसियों को देश में फैले आतंक के जाल को तोड़ना होगा और यह काम सभी केंद्र और राज्य एजेंसियों को मिलकर करना होगा। यह काम आम नागरिकों के सहयोग के लिए बिना संभव नहीं है। देश के राजनीतिक पार्टियों को भी चाहिए कि इस विषय पर राजनीति नहीं करते हुए सरकार का साथ दें। आतंकवाद पर किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं हो। हकिकत यह है कि भारत का हर नागरिक, सुरक्षा संस्था और राज्य प्रशासन मिलकर इस खतरे को तब तक नहीं जीत सकते जब तक हम इसके स्रोत, नेटवर्क, लॉजिक और सहयोगियों तक पहुंच नहीं पाते। हमें एक रणनीति के साथ काम करना होगा, जहां आतंक सिर्फ दवाया नहीं जाए, बल्कि जड़ से उखाड़ दिया जाए। सभी के सहयोग से ही देश में फैले आतंक के जाल को तोड़ा जा सकता है लेकिन उच्च शिक्षित डाक्टरों का आतंकी तंजीम से जुड़न बेहद चौकाने वाला और गहन चिंता का विषय है।



खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।



सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या दूध पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, दूध ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सनस्क्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है। शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरीकें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र



में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है। इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान

के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है। ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर

पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडील शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल केमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। केमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी

और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।



रोजगार कहाँ

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रूपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसल्टेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रूपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रूपए महीना भी।

क्या कहता है आपका एप्टीटयूड



विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नही। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीटयूड टेस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीटयूड टेस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीटयूड टेस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीटयूड टेस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टेस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीटयूड टेस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीटयूड टेस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या डाइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीटयूड टेस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय

नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीटयूड टेस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुछ का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीटयूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चट्टा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए

निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइस भी तैयार किए हैं।

एप्टीटयूड टेस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग- एप्टीटयूड टेस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और क्राइम कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एक्सट्रेवर्ट रीजनिंग- इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीटयूड किस तरह जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एक्सट्रेवर्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग- यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सारिखीय सवाल को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन- आमतौर टैक्निकल काम मसलन डाइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीटयूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को ऐम करने में काफी मददगार साबित होता है। डाइवर, पायलट, मशीनमैन और मेकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीटयूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन- इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर क्राइड कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें पलेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अडिगल तो नहीं है। अगर उसमें पलेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीटयूड टेस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टेस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।



प्रोफेशनल लाइफ में रख रहे हैं कदम अपनाएं ये टिप्स

कॉलेज लाइफ को अलविदा कहकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में कदम रखने कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। कई युवाओं के लिए कॉलेज ग्रेजुएशन पूरा होने और अपने पहले जॉब की शुरुआत काफी तनावपूर्ण होती है। कॉलेज पूरा करने के बाद आपको जॉब हॉटिंग, इंटरव्यू देना होता है और वास्तविकता का सामना करना इतना आसान नहीं है। कॉलेज स्टूडेंट से एक प्रोडक्टिव एम्प्लॉई बनने का यह ट्रांजिशन सफल बनाने के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। इन मुद्दों को समझकर और उनके लिए तैयार रहकर इस बदलाव को आसान बना सकते हैं।

कॉलेज जाने और नौकरी पर जाने में बहुत फर्क है। आप जॉब में बंक नहीं मार सकते। आप पैसे देकर टयूशन नहीं ले रहे बल्कि आपको पै किया जा रहा है। इसलिए टयूशन की तरह मनन होने पर आप काम पर नहीं जाने का मन नहीं बना सकते। आपको नौकरी में आठ घंटे तो काम करना ही पड़ता है।

कॉलेज का समय प्रयोग का समय होता है। हम यहां थोड़ा गैर जिम्मेदार हुए तो चलेगा लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा नहीं है। कॉलेज में गैर जिम्मेदार होने का मतलब खराब ग्रेड लेकिन वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल होना मतलब आपके नौकरी की छुट्टी। प्रोफेशनल का मतलब ही सेल्फ-स्टार्टर होता है। कॉलेज से ज्यादा डेडलाइन का सामना आपको प्रोफेशनल वर्ल्ड में करना होगा।

ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आपके दिमाग में अपना स्पष्ट करियर पाथ होना चाहिए लेकिन अगर आपका पहला जॉब अपनी योजना से मेल नहीं खाता है तो घबराइए नहीं।

कॉलेज छोड़ने और प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने में बहुत चीजें बदलती हैं। हां, अगर आप दोपहर तक सोते रहते हैं या देर रात फिल्में देखते हैं तो यह सब आपको बंद करना पड़ेगा। आपकी डाइट भी बदलेगी। लाइफस्टाइल के बदलावों के लिए तैयार रहें।

कॉलेज लाइफ खत्म होने का मतलब नहीं कि आपकी लाइफ से फन गायब हो गया। आप अभी भी टैवल कर सकते हैं, दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं और नए व रोमांचक चीजें सीख सकते हैं। इस समय आपको देखना होगा कि किस तरह से मनोरंजन करें ताकि आप अपनी जॉब की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा पाएं।



रश्मिका मंदाना ने फिल्म द गर्लफ्रेंड को लेकर अपने दिल की बातें साझा की

नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना अपनी फिल्म द गर्लफ्रेंड को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। रश्मिका ने फिल्म में भूमा नाम का किरदार निभाया है, जो उनके लिए बेहद खास है। रश्मिका मंदाना ने फिल्म द गर्लफ्रेंड को लेकर अपने दिल की बातें साझा की हैं। उन्होंने बताया कि जब निर्देशक राहुल रविंद्रन ने उन्हें पहली बार इस फिल्म की स्क्रिप्ट सुनाई, तो वह इतनी भावुक हो गई कि उनकी आंखों में आंसू आ गए। स्क्रिप्ट के कई पल उनके दिल को गहरे छू गए। रश्मिका ने कहा कि ये कहानी और भावनाएं इतनी खास थीं कि उन्हें लगा जैसे वह इन्हें पहले भी महसूस कर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि ये गहरी बातें एक मेल निर्देशक की सोच से आईं, जो आमतौर पर लोग समझ नहीं पाते। रश्मिका ने आगे राहुल से हुई उनकी मुलाकात को याद करते हुए कहा कि वह उस दिन दो चीजें लेकर लौटीं। पहली ऐसी स्क्रिप्ट, जिसे न पढ़ना गलत होगा और दूसरी जिंदगी भर का दोस्त। आगे रश्मिका ने फिल्म के निर्देशक राहुल रविंद्रन की तारीफ करते हुए कहा कि उनका दुनिया को देखने का नजरिया बहुत खूबसूरत है। वह उनसे मिलकर बहुत खुश और आभारी हैं। उनके जैसे लोग इस दुनिया में और होने चाहिए। रश्मिका ने बताया कि भूमा उनके लिए बहुत खास है क्योंकि यह किरदार काफी हद तक उनसे मिलता-जुलता है। भूमा को निभाते हुए उन्होंने खुद को बेहतर समझा। राहुल जब कोई सीन समझाते थे, तो वह बिना किसी सवाल के उसे समझ जाती थीं। रश्मिका का दिल प्यार, गर्व और खुशी से भरा है। वह चाहती हैं कि दर्शक भी वही महसूस करें, जो उन्होंने फिल्म बनाते वक्त किया। भूमा उनके लिए बहुत कीमती है, और वह चाहती हैं कि दर्शक उसे प्यार और समर्थन दें। आखिर में रश्मिका ने खुद को भूमा के रूप में साइन ऑफ करते हुए लिखा, कृपया भूमा की रक्षा करें, उसे प्यार दें और उसका साथ दें। रश्मिका ने अभिनेता दीक्षित शेड्डी की तारीफ की और कहा कि यह उनके लिए बस शुरुआत है। उन्होंने विक्रम जैसे चुनौतीपूर्ण किरदार को इतनी जल्दी स्वीकार किया, जिस पर उन्हें गर्व है।



महाकुंभ वाली मोनालिसा की अब साउथ सिनेमा में एंट्री

महाकुंभ मेले में माला बेचने वाली मोनालिसा सोशल मीडिया पर रातों-रात सनसनी बन गई। अपनी खूबसूरत आंखों और नैन-नवश की वजह से उन्हें बॉलीवुड से फिल्म तो मिली ही, अब खबर है कि उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी कदम रख दिया है। अपने सावले रंग, एम्बर आंखें, और लाजवाब नैन-नवशन के कारण वो रातों रात सोशल मीडिया पर सनसनी बन गई। वहीं अब मोनालिसा ने एक और ऊंची छलांग लगाई है। अब उन्हें गाने के साथ-साथ फिल्मों में भी मौका मिला है। बताया

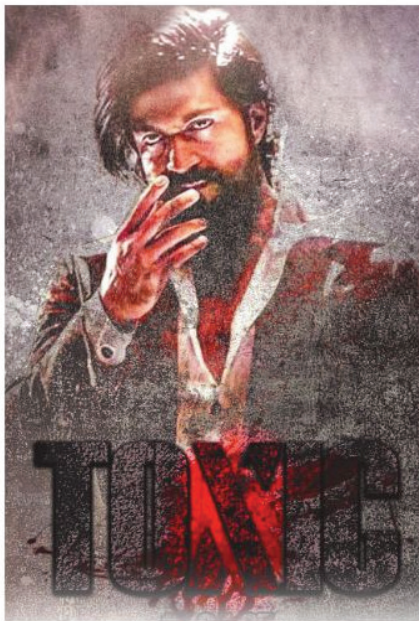
विकी कौशल जल्द ही अमर कौशिक के निर्देशन में बन रही फिल्म महावतार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वह भगवान परशुराम का किरदार निभाने वाले हैं। इस किरदार के लिए विकी कौशल पूरी तरह सात्विक बनने वाले हैं। वो शाकाहारी खाना खाएंगे और शाख का सेवन भी नहीं करेंगे। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट में एक्टर से जुड़े करीबी सूत्र के हवाले से बताया गया है कि महावतार जैसी फिल्म के लिए एक्टर विकी कौशल और डायरेक्टर अमर कौशिक अपनी लाइफस्टाइल में बड़ा बदलाव कर रहे हैं। विकी ने कैरेक्टर की तैयारी करने के लिए मांसाहारी खाना छोड़ने का फैसला किया है। अमर कौशिक ने पहले ही कुछ खाने की आदतें छोड़ दी हैं, जबकि विकी कौशल अपने बदलाव 'लव एंड वॉर' की शूटिंग पूरी होने के बाद शुरू करेंगे। यह उनका भगवान परशुराम की भूमिका के

जा रहा है कि मोनालिसा बॉलीवुड में पहली फिल्म द डायरी ऑफ मणिपुर कर चुकी हैं जिसका निर्देशन सनोज मिश्रा ने किया है। फिल्म में मोनालिसा ने एक आर्मी ऑफिसर की बेटी का किरदार निभाया है। अब इसी के साथ मोनालिसा ने साउथ फिल्मों की तरफ कदम बढ़ाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोनालिसा अब तेलुगु की एक फिल्म करने जा रही हैं। कहा जा रहा है कि तेलुगु फिल्म लाइफ में एक्टिंग करती हुई नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर

उन्होंने मीडिया से मुलाकात और बातें भी की, जिसका वीडियो सामने आया है। अब इससे जुड़ी तस्वीरों और वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आ रहे हैं। बताया ये भी जा रहा है कि ये एक पैर इंडिया फिल्म होगी जिसमें मोनालिसा, क्रश और इट्स ओके गुरु जैसी फिल्मों के लिए मशहूर हीरो चरण साई के साथ नजर आनेवाली हैं। इस फिल्म का निर्माण श्री वेगम्मा मूवीज के बैनर तले अंजैया उदिनीने और उषा उदिनीने कर रहे हैं।

रुक्मिणी वसंत ने 'टॉक्सिक' पर तोड़ी चुप्पी

इंस्टाग्राम सेशन के दौरान एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत ने अपने फैंस से सीधा दिल की बात की — और जाहिर है, सबसे ज्यादा सवाल उनके आने वाले मेगा प्रोजेक्ट टॉक्सिक को लेकर ही थे। गीथू मोहनदास के निर्देशन में और यश के साथ बनी इस फिल्म ने पहले ही रिलीज से पहले एक्साइटमेंट का मीटर हाई कर दिया है। जब एक फैन ने उनसे पूछा, टॉक्सिक से हमें क्या उम्मीद रखनी चाहिए?, रुक्मिणी ने बिना किसी हिचक के जवाब दिया — ये वैसा कुछ नहीं है जो हमने अब तक कन्नड़ या भारतीय सिनेमा में देखा हो। ये रॉ है, लेयर्ड है और इंसानियत की गहराइयों तक जाता है। गीथू की विज़न बोल्लड भी है और बहुत ह्यूमन भी। कांतारा-वैक्टर 1 में अपने दमदार अभिनय के बाद रुक्मिणी वसंत अब इंडियन सिनेमा की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में से एक बन चुकी हैं। उनकी स्क्रीन पर मौजूदगी इतनी मजबूत है कि हर नए प्रोजेक्ट के साथ उनका नाम और



बड़ा होता जा रहा है। अब टॉक्सिक में, वो यश के साथ एक ऐसे किरदार में नजर आने वाली हैं जो क्रिएटिविटी और सिनेमाई सीमाओं को आगे बढ़ाने वाला साबित होगा। साथ ही, वो जल्द ही एनटीआर जूनियर और डायरेक्टर प्रशांत नील के साथ भी एक बड़े प्रोजेक्ट की तैयारी में हैं — जिस पर फैंस की नज़रें टिकी हैं।

भगवान परशुराम का किरदार निभाने के लिए शाकाहारी बनेंगे विकी कौशल

प्रति सम्मान दिखाने का तरीका है। 2028 में रिलीज हो सकती है महावतार फिल्म महावतार की शूटिंग अगले साल शुरू होने वाली है। फिलहाल विकी कौशल संजय लीला भंसाजी के निर्देशन में बन रही फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त चल रहे हैं, जिसमें उनके साथ रणबीर कपूर और आलिया भट्ट हैं। फिल्म लव एंड वॉर 2026 में रिलीज होने के लिए शेड्यूल है। इसके 2 साल बाद फिल्म महावतार 2028 में रिलीज हो सकती है। बता दें कि फिल्म महावतार से पहले विकी कौशल हिस्टोरिकल फिल्म छाया में छत्रपति शिवाजी महाराज का किरदार निभाया था। ये किरदार भी काफी सराहा गया था।



फोर्स फ्रैंचाइजी का हिस्सा बने हर्षवर्धन

अभिनेता हर्षवर्धन राणे, जिनकी हालिया फिल्म एक दीवाने की दीवानियत ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया, अब फोर्स फ्रैंचाइजी का हिस्सा बन गए हैं। फिल्म में एंट्री के बाद हर्षवर्धन ने जॉन अब्राहम के लिए एक खास बात लिखी है। हर्षवर्धन ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी पर लिखा कि जॉन

अब्राहम ने उन्हें फोर्स फ्रैंचाइजी को आगे ले जाने के लिए चुना है। हर्षवर्धन ने जॉन अब्राहम और ऊपरवाले का श्रुतिया अदा किया और कहा कि वे शूटिंग शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग मार्च 2026 में शुरू होगी। इससे पहले, हर्षवर्धन ने निर्देशक मिलाप जावेरी के साथ फिर से काम करने की इच्छा जताई थी। उन्होंने दीवानियत बाय मिलाप जावेरी नाम की डायरी के साथ एक तस्वीर साझा की और लिखा कि अगर मिलाप उन्हें नई स्क्रिप्ट ऑफर करते हैं, तो वे बिना सोचे साइन कर लेंगे।

फिल्म एक दीवाने की दीवानियत के बारे में

एक दीवाने की दीवानियत फिल्म देसी मूवीज फैक्टरी के बैनर तले बनी है। इस फिल्म में हर्षवर्धन के साथ सोनम बाजवा मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 21 अक्टूबर को दिवाली के मौके पर रिलीज हुई थी। यह एक राजनेता विक्रमादित्य और अभिनेत्री अदा के रिश्ते की कहानी है। फिल्म में शाद रंधावा, सचिन खेडेकर, अनंत नारायण महदेवन और राजेश खेड़ा भी हैं। इसके बाद, हर्षवर्धन ओमंग कुमार की फिल्म सिला में नजर आएंगे, जिसमें सादिया खतीब और खलनायक के रूप में करणवीर मेहरा भी होंगे।

रानी भारती वो रोल हैं जिसने मेरी जिंदगी बदली मेरे लिए कोई नहीं बना रहा बड़े बजट की फिल्में



हुमा कुरैशी हिंदी सिनेमा का एक मजबूत हस्ताक्षर हैं। अपनी अदायगी की चमक उन्होंने पहली फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर में ही बिखेर दी थी। फिर ओटीटी पर महारानी बनकर दमखम दिखाया। इस शो का चौथा सीजन जल्द आ रहा है। इसके बावजूद, हुमा कहती हैं कि उन्हें वे बड़े या बेहतर मौके नहीं मिलते जो उनकी प्रतिभा के साथ न्याय कर सकें। इसलिए, वह खुद निर्माता बनकर अपने मन की कहानियां सुनाने भी निकल पड़ी हैं। इस साल आपने अभिनय से एक कदम आगे बढ़ाते हुए फिल्म प्रॉडक्शन में भी कदम रखा। निर्माता बनने का ख्याल कैसे आया? निर्माता बनने का ख्याल ऐसे आया कि ये इंडस्ट्री बहुत सारे मौके आपको देती नहीं है। मैंने इतना सारा काम कर लिया, फिर भी मुझे अब भी बहुत जगहों पर रोक दिया जाता है या मेरे पास वैं फिल्में नहीं आतीं। आप मेरी फिल्मोग्राफी देख लो, मैंने उन फिल्मों से प्यार पाया है जो शायद कोई और नहीं करना चाहता था। ऐसा नहीं है कि मुझे

बेस्ट मौके मिल रहे हैं या मेरे लिए कोई बहुत बड़े बजट की फिल्में बन रही हैं। मुझे जो मौका मिलता है, मैं उसमें छक्का मारती हूँ, लेकिन यह बहुत फस्ट्रेटिंग होता है कि आपको लगता है कि मैं कर सकती हूँ मगर सामने वाला आपको वो मौके देगा नहीं तो घर बैठकर आप थोड़ी एक्टिंग दिखाओगे। इसलिए, मैंने सोचा कि इसे लेकर रोने-पीटने से बेहतर है कि अपनी किस्मत अपने हाथ में लो और जो हम चाहते हैं, वे फिल्में बनाएँ तो मैंने और साकिब (एक्टर भाई साकिब सलीम) ने मिलकर यह कंपनी शुरू की है। आप यश के साथ साउथ की फिल्म टॉक्सिक भी कर रही हैं। आपके हिसाब से साउथ के मेकर्स क्या सीख रहे हैं, जो बॉलिवुड को सीखना चाहिए? वे अपनी जड़ों से जुड़ी कहानियां बना रहे हैं। अपने लोगों की कहानियां बना रहे हैं। वे पश्चिम से प्रभावित होकर उनके जैसा सिनेमा नहीं बना रहे हैं। जबकि, हमारे यहां सबकुछ है पर हमारी ऑडियंस कौन है, वो हमें पता नहीं है। आपकी लेटेस्ट फिल्म सिंगल सलमा लड़कियों पर शादी के दबाव को दिखाती है। कभी आपको किसी ने

शादी को लेकर ऐसी सलाह दी कि उम्र निकल रही है? पर्सनल तौर पर तो याद नहीं, मगर हमारे समाज में लड़कियों पर शादी का दबाव होता ही है। 25 के बाद शादी कब होगी, ये बहुत बड़ा मसला होता है कि भई शादी की उम्र हो गई। जैसे आप कोई दूध का डब्बा या फल हो कि जल्दी नहीं बिका तो बासी हो जाएगा और फेंकना पड़ेगा। हमें लड़कियों को एक बोझ, एक सामान की तरह ट्रीट करना बंद करना चाहिए। चर्चा तेज है कि आप खुद भी अपना सिंगल स्टेटस छोड़कर जल्द सिंगल होने वाली हैं? आपने सिंगल और सिंगल को बड़ी खूबी से मिलाया है, मगर मैं अपनी प्राइवेट जिंदगी के बारे में जवाब देना नहीं चाहूंगी। वह मेरी निजी जिंदगी है, तो उसे प्राइवेट और पर्सनल रहने देते हैं। वेब सीरीज डेली क्राइम 3 में आप बड़ी दीदी का नेगेटिव किरदार निभा रही हैं। वह नेगेटिविटी खुद में लाना कितना मुश्किल था? बहुत ही ज्यादा मुश्किल था। एक तो मैं पहली बार नेगेटिव कैरेक्टर निभा रही हूँ। उस पर यह बहुत ही ज्यादा नेगेटिव किरदार है। वह बहुत ही बुरी है, तो इसे

करते हुए मेरे अंदर काफी अंतराद्वंद रहा, क्योंकि मैं गर्ल एंवायरमेंट में यकीन करती हूँ और यह गर्ल ट्रैफिकिंग का मुद्दा है लेकिन मैंने कही पढ़ा था कि कुछ चीजें सोसायटी में एग्जिस्ट करती हैं और एक कलाकार के तौर पर हमारी जिम्मेदारी है कि हम उस पर रोशनी डालें, तो हुमा कुरैशी के यह किरदार निभाने से अगर यह मुद्दा या शो बड़ा बनता है और उस पर चर्चा होती है तो खुशी-खुशी करना चाहूंगी। महारानी, तरला, डबल एक्सेल या हाल ही में आई सिंगल सलमा, आपके ये सभी प्रोजेक्ट लड़कियों से जुड़े अहम मुद्दे उठाते हैं... (बीच में) मैं हिंदुस्तान की लड़कियों, औरतों, महिलाओं के लिए ही कहानी बना रही हूँ। मैं एक ऑल गर्ल सुपरस्टार बनना चाहती हूँ। ये मेरा सपना है। मैं हमारी (लड़कियों की) कहानियां, हमारी लड़कियाँ, हमारी जीतों को लेकर कहानियां बनाना चाहती हूँ जो बाकी लोग नहीं बना रहे हैं। आप पिछले 5 सालों से रानी भारती को लगातार जी रही हैं। इस शो का अपने जीवन और करियर में क्या योगदान मानती हैं? रानी भारती वह रोल हैं जिसने मेरी जिंदगी बदली है। जितना प्यार मुझे रानी भारती के लिए मिला है, बहुत कम एक्टर को प्यार और सक्सेस देख पाते हैं। इसका चौथा सीजन आ रहा है, जो अपने में एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि जब हमने 2021 में शुरुआत की थी, तब ज्यादा लोगों ने हम पर भरोसा नहीं किया था। व्यक्तिगत तौर पर भी रानी भारती की वजह से मैं ज्यादा मजबूत और वोकल हुई हूँ।

जिला इकाई दंतेवाड़ा श्रमजीवी पत्रकार संघ की बैठक संपन्न

पत्रकार साथियों को मिले नये दायित्वों पर दी गई शुभकामनाएं

बचेली / किरंदल

छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ, जिला इकाई दंतेवाड़ा के तत्वावधान में बचेली में संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संघ से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा करते हुए संगठन की गतिविधियों को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया।बैठक के दौरान संघ से जुड़े पत्रकार साथियों को विभिन्न संस्थाओं एवं संगठनों में प्राप्त नये दायित्वों के लिए संघ की ओर से शुभकामनाएं एवं सम्मान प्रदान किया गया।

इस अवसर पर अमलेन्दु चक्रवर्ती को बचेली भाजपा मंडल अध्यक्ष बनने, राजेंद्र सक्सेना को डॉक्टर की मानक उपाधि प्राप्त करने, रामकृष्ण बैरागी को गौ सेवा आयोग के कुआँकोडा ब्लॉक अध्यक्ष बनने, शेखर दत्ता को किरंदल चेंबर ऑफकॉमर्स एसोसिएशन के सह-सचिव पद पर निर्वाचित होने, के. रघु राव को बैलाडीला व्यापारी कल्याण संघ के



कोषाध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने तथा सलमान नवाब को युथ प्रदेश कांग्रेस कमेटी का प्रवक्ता नियुक्त किए जाने पर संघ द्वारा पुष्पगुच्छ एवं शुभकामना देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रमजीवी पत्रकार संघ दंतेवाड़ा के जिला अध्यक्ष आजाद सक्सेना ने की। इस अवसर पर संयोजक राजेंद्र सक्सेना,

महासचिव जितेंद्र चौधरी, उपाध्यक्ष अमलेन्दु चक्रवर्ती, संदीप दीक्षित, गोविंद नाग, संजीव दास, रामकृष्ण बैरागी, एस एच. अजहर, शेखर दत्ता, डी.एम. सोनी, आर.के. दुर्गा, के. रघु राव, सलमान नवाब, रामू राव, किशोर दत्तेवाड़ा के जिला अध्यक्ष आजाद सक्सेना ने की। इस अवसर पर संयोजक राजेंद्र सक्सेना,

कार्यक्रम शुभारंभ का मंच संचालन श्रमजीवी पत्रकार संघ कुआँकोडा ब्लॉक अध्यक्ष संजीव दास ने किया एवं समापन सचिव आर.के. दुर्गा ने किया। कार्यक्रम का संपूर्ण व्यवस्थापन अमलेन्दु चक्रवर्ती द्वारा किया गया। बैठक के अंत में संगठन को मजबूत करने हेतु सामूहिक एकजुटता का संकल्प लिया गया।

मुजगहन का विज्ञान क्लब राज्य स्तरीय स्पर्धा के लिए चयनित



जोन स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी एवं पश्चिम भारत विज्ञान मेला में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुजगहन का विज्ञान क्लब प्रथम स्थान पर रहा। इस शानदार प्रदर्शन के लिए क्लब के प्रभारी सुश्री परविंदर कौर गिल को सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि कांकेर जेन के अंतर्गत धमतरी, कांकेर और नारायणपुर जिले के प्रतिभागियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया था। मुजगहन के विज्ञान क्लब का चयन राज्य

स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है, जो 12 नवंबर से 15 नवंबर तक जयपुर में आयोजित होगी। शाला के प्राचार्य श्री नवीन साहू और समस्त स्टाफ ने इस उपलब्धि के लिए सुश्री परविंदर कौर गिल और विज्ञान क्लब

के सदस्यों को शुभकामनाएं दी हैं। विज्ञान क्लब के मार्गदर्शन में श्रीमती किरण कमलवंशी, श्री प्रमोद कमलवंशी, श्री रवि शंकर कौशिक, श्रीमती जयंती साहू और श्रीमती योगमाया देवांगन का सहयोग प्राप्त रहा।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 7235 छत्तीसगढ़ के प्रमुख सलाहकार बने अनिल कुमार मैजॉरवर



अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 7235 छत्तीसगढ़, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष वीरेंद्र श्रीवास्तव और राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. रमाशंकर श्रीवास्तव ने अनिल कुमार मैजॉरवर को प्रांतीय प्रमुख सलाहकार मनोनीत किया है। इस अवसर पर कायस्थ समाज के विभिन्न पदाधिकारियों और सदस्यों ने अनिल कुमार मैजॉरवर को बधाई दी है।

नसल लीडरों के परिजनों से मुलाकात कर उपमुख्यमंत्री ने की पुनर्वास की अपील

रायपुर

उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा आज अचानक सुकमा जिले के कोटा विकासखण्ड के अतिसंवेदनशील ग्राम पूर्वर्ती पहुंचे। जहां उन्होंने गांव में जनचौपाल का आयोजन किया। इस चौपाल में समस्त ग्रामवासी और पूर्वर्ती से संबंध रखने वाले नक्सल लीडर माड़वी हिड़मा एवं बारसे देवा के परिजन भी शामिल हुए। जिसमें माड़वी हिड़मा की माता श्रीमती माड़वी पुंजी तथा बारसे देवा की माता श्रीमती बारसे सिंगे भी शामिल थीं। उनके साथ बारसे देवा के परिवार से चाचा बारसे दुंगा, भाई बारसे भीमा, बारसे सन्ना, बारसे आमता, बारसे सीमडा, भतीजा बारसे मडका, बारसे हिड़मा, बहु बारसे जोगी एवं माड़ूवी हिड़मा के परिजनों में चाचा माड़ूवी देवा, माड़ूवी सोमा, चाची माड़ूवी सुबू?की, भाई माड़ूवी हड़मा, माड़ूवी मासे, बहु माड़ूवी मंगली भी उपस्थित रहे। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से मुलाकात की और गांव में आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता की जानकारी ली। जहां ग्रामीणों ने बताया कि पहले यहां ना तो सड़क थी ना ही कोई आधारभूत व्यवस्था



और बारिश के दिनों में तो गांव एक टापू बन जाता था ना तो कोई आ सकता था ना जा सकता था। नियद नेछर नाग योजना से अब गांव में रोड आ गयी है राशन, दवाइयां, खाद अब ग्राम में ही मिल जाता है। उपमुख्यमंत्री ने सभी के साथ मुलाकात कर उनके साथ उनके साथ खाना खाया और उन्हें उपहार भी दिए और उनके द्वारा की गई मांगों को पूरा करने हेतु अधिकारियों को निर्देश भी दिए। नक्सल लीडरों के परिजनों से भी उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने आत्मीय मुलाकात कर उनके माता पिता से आशीर्वाद लिया। जहां उनकी माताओं श्रीमती माड़ूवी पुंजी तथा श्रीमती बारसे सिंगे ने बताया कि वे बड़े गैर जिम्मेदाराना तरीके से सब कुछ छोड़ कर जंगल में हथियार लेकर भटक रहे हैं। उन्होंने अपने बच्चों से अपील करते हुए कहा कि

उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा एवं पूरे शासन-प्रशासन द्वारा क्षेत्र की शांति के लिए हिड़मा और बारसे देवा के साथ दक्षिण बस्तर के भटके युवाओं के पुनर्वास के लिए भी सतत प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने पूर्वर्ती में स्थापित 150 वीं बटालियन के कैप में जाकर नक्सल मोर्चे पर कार्य करने वाले केंद्रीय सशस्त्र बलों के जवानों एवं पुलिस के जवानों से मुलाकात की और उनका प्रोत्साहन किया एवं नक्सल हिंसा में शहीद हुए जवानों को श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। श्री शर्मा ने कहा कि बस्तर अंचल के प्रत्येक जवान का पराक्रम, त्याग और समर्पण राज्य तथा देश की अमूल्य धरोहर है।उनकी वीरता ने इस क्षेत्र की शांति और विकास की नई दिशा दी है। उन्होंने कैप परिसर का निरीक्षण कर जवानों से सुरक्षा व्यवस्था, क्षेत्र की परिस्थिति एवं चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने जवानों को सुरक्षा के साथ लोगों के कल्याण और सुरक्षा के लिए कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर बस्तर कमिश्नर डोमन सिंह, बस्तर आईजी सुंदराज पी., कलेक्टर सुकमा देवेश ध्रुव, पुलिस अधीक्षक सुकमा किरण चौहान तथा पूर्वर्ती के ग्रामीण उपस्थित थे।

नारायणपुर

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार बस्तर ओलंपिक 2025 के तहत विकासखंड स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन इस वर्ष भी पूरे उत्साह और जोश के साथ किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड नारायणपुर अंतर्गत क्रीडा परिसर खेल मैदान में 10 एवं 11 नवम्बर 2025 को विकासखंड स्तरीय बस्तर ओलंपिक 2025 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। विकासखंड स्तरीय बस्तर ओलंपिक 2025 का शुभारंभ आज क्रीडा परिसर के खेल मैदान में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम रहे। ओलंपिक की शुरुआत स्वसहायता समूह की महिलाओं द्वारा पारंपरिक खेल रस्साकसी से हुई, जिसमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके पश्चात 14 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं की दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया। नारायण मरकाम ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल न केवल जीत-हार का माध्यम है, बल्कि यह अनुशासन, एकता और आपसी सहयोग की भावना को भी बढ़ाता



है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ खेल खेलेने और जिले का नाम रोशन करने का आह्वान किया। आयोजन के पहले दिन खिलाड़ियों ने एकता, अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया। विभिन्न गांवों से आए युवा प्रतिभागियों ने पारंपरिक एवं आधुनिक खेलों में बहु-चढ़कर भाग लिया। बस्तर ओलंपिक में कबड्डी,

खो-खो, दौड़, रस्साकसी, फूटबॉल, तीरंदाजी सहित कई पारंपरिक खेलों की रोमांचक प्रतियोगिताएं हुईं। खिलाड़ियों ने उत्साह और खेल भावना के साथ अपना प्रदर्शन किया, वहीं दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रताप सिंह मण्डवी, नगरपालिका उपाध्यक्ष जय

प्रकाश शर्मा, सरपंच छोटेडोंगर संध्या पवार, जनपद पंचायत अध्यक्ष पंकी उसेण्डी, पार्षदगण, एसडीएम डॉ. सुमित गर्ग, तहसीलदार ओरछा विजय साहू, जनपद सीईओ सुनिल सोनपिपरे, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार पटेल, जनपद पंचायत के सदस्य, जनप्रतिनिधिगण सहित शिक्षकगण तथा छात्र एवं छात्राएं उपस्थित थे।

भव्य स्वागत से डूम उठा नगर, आतिशबाजी और नारों ने रचा अद्भुत वातावरण

नवा बस्तर नवा सवेरा देशभक्ति संध्या में उमड़ा जनसैलाब, देशप्रेम के सुरों और जयघोषों से गूंज उठा नारायणपुर का आसमान

नारायणपुर

नगर के हृदय स्थल पुराने बस स्टैंड परिसर में यूथ वेलफेयर सोसाइटी, नारायणपुर द्वारा 'नवा बस्तर नवा सवेरा' के ध्येय वाक्य पर आधारित देशभक्ति संगीत संध्या का भव्य आयोजन किया गया।हजारों की संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे और देर रात तक देशभक्ति के सुरों से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा।मुख्य अतिथि विधायक एवं मंत्री केदार कश्यप के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही जनसैलाब ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पुष्पवर्षा, भव्य आतिशबाजी और 'जय हिंद+', 'जय बस्तर+' के नारों ने समूचे परिसर को देशभक्ति के रंगों में रंग दिया। उस क्षण पूरा नगर मानो एकता, उत्साह और गर्व का प्रतीक बन गया।

मां भारती के चित्र पर दीप प्रज्वलन से हुई कार्यक्रम की शुरुआत-कार्यक्रम का शुभारंभ सनातन परंपरा अनुसार मां भारती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया गया।मुख्य अतिथि केदार कश्यप एवं विशिष्ट अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।यूथ वेलफेयर सोसाइटी के सदस्य अभिषेक झा, सचिन जैन, अविनाश देवांगन एवं इशांत जैन ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ, शाल और शीर्षक से स्वागत किया। अब्बुलमाद मलखण्ड एकेडमी के नन्हे कलाकारों ने दिव्याया अद्भुत संतुलन-संगीत संध्या की शुरुआत इंडियाज गॉट टैलेंट के विजेता अब्बुलमाद मलखण्ड एंड स्पोट्स



एकेडमी के बच्चों की प्रस्तुति से हुई। उनकी अद्भुत लय, संतुलन और शक्ति से भरे प्रदर्शन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ऊँचे खंभों पर किए गए रोमांचक करतबों और पारंपरिक संगीत की ताल पर किए गए योगिक आसनों ने सभी को अचंभित कर दिया।यह प्रस्तुति बस्तर की मिट्टी में पल रही प्रतिभा और 'नवा बस्तर नवा सवेरा' की भावना का सजीव उदाहरण

बन गई। दर्शकों ने जोरदार तालियों से नन्हे कलाकारों का स्वागत किया।

प्रकाश माली की गायकी से भक्ति और देशप्रेम का संगम-इसके पश्चात राजस्थान के सुप्रसिद्ध भजन गायक प्रकाश माली ने मंच संभाला।उन्होंने 'ऐ मेरे वतन के लोगों+', 'भारत माता की जय+', 'वंदे मातरम्+' जैसे गीतों के माध्यम से पूरा पंडाल देशप्रेम की

भावना से भर दिया।उनकी गायकी में जहाँ सुरों की मधुरता थी, वहीं शब्दों में मातृभूमि के प्रति अटूट प्रेम झलक रहा था।दर्शक कभी तालियों की गड़गड़ाहट से, तो कभी 'जय हिंद' के नारों से उनके गीतों का प्रत्युत्तर दे रहे थे। पूरी संध्या एक सजीव देशभक्ति पर्व में बदल गई।

मंत्री केदार कश्यप बोले - 'नवा बस्तर नवा सवेरा बस्तर के आत्मगौरव का प्रतीक'-अपने संबोधन में मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बस्तर की नवचेतना, जागरण और आत्मगौरव का प्रतीक है। उन्होंने युवाओं से समाज निर्माण और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

शहीदों के परिजनों का सम्मान और स्मृति-चिह्न भेंट-इस अवसर पर मंत्री कश्यप ने नारायणपुर की सुरक्षा और विकास में योगदान देने वाले शहीद जवानों के परिजनों को शाल एवं श्रीपत्त भेंट कर सम्मानित किया। अंत में आयोजन समिति की ओर से स्थानीय कलाकारों द्वारा तैयार हस्तनिर्मित चित्र स्मृति-चिह्न स्वरूप मंत्री कश्यप को भेंट किया गया।

जयघोषों से गूंज उठा समापन समारोह-कार्यक्रम का संचालन यूथ वेलफेयर सोसाइटी के पदाधिकारियों ने किया। अंत में 'भारत माता की जय' और 'जय बस्तर' के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा।देशभक्ति संगीत संध्या ने नारायणपुर की सांस्कृतिक पहचान और जनभावना को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया।

मदकूद्रीप तपोभूमि पर संत समाज का ऐतिहासिक महासमागम संपन्न



मुंगेली

मुंडक उपनिषद् के रचयिता, तपोनिष्ठ ऋषि मुंडक की पावन तपोभूमि मदकूद्रीप में आज एक ऐतिहासिक संतडूम्हासमागम सम्पन्न हुआ। इस आयोजन में छत्तीसगढ़ प्रांत के विभिन्न मठकुंमदिरों, पीठों और आश्रमों से पधारे अनेक साधुडूसंतों ने भाग लिया।सभा में राष्ट्रहित से जुड़े तीन प्रमुख विषयों- समाज नागरिक संहिता (छट्ट) का कार्यान्वयन, राष्ट्रीय नागरिक पंजी (हफ्ट) की स्थापना तथा गौमाता को 'राज्यलोकमाता' घोषित करना-पर विचारडूविमर्श किया गया और सर्वसम्मति से तीनों विषयों पर समर्थन प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक का शुभारंभ संत

रामरूपदास महात्मागी जी के संयोजन एवं संत समाज के स्वागतडूउद्बोधन से हुआ। प्रथम सत्र में प्रो. (डॉ.) संजीव वशिष्ठ, प्रांत अध्यक्ष - सर्व समाज समन्वय महासभा छत्तीसगढ़ ने तीनों विषयों पर विस्तृत प्रस्तावना प्रस्तुत की। संत समाज के अनेक विद्वान संतों ने अपने विचार रखे और सर्वसम्मति से तीनों प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि छत्तीसगढ़ प्रांत के सभी संतजन सर्व समाज समन्वय महासभा एवं राष्ट्रप्रथम संगठन को अपना नैतिक एवं आध्यात्मिक समर्थन प्रदान करेंगे, ताकि राज्य एवं केंद्र सरकार के माध्यम से इन प्रस्तावों को प्रभावी रूप से लागू कराया जा सके।महासमागम में विशेष रूप से छत्तीसगढ़ राज्य

गौसेवा आयोग के अध्यक्ष विशेषर पटेल ने गौडूसुरक्षा एवं गौडूधाम विकास के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए, वहीं भूकला आयोग के अध्यक्ष श्री चक्रवर्ती जी ने भी इन तीनों विषयों का समर्थन करते हुए संत समाज की भूमिका की स्मरणना की।महासमागम का एक विशेष आकर्षण यह रहा कि राष्ट्रीगत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर उपस्थित सभी संतों एवं समाज प्रमुखों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया। कार्यक्रम का समापन 'गौ माता की जय, भारत माता की जय एवं भगवान श्रीरामचंद्र की जय' के उद्घोष के साथ हुआ।आप क्या सोचते हैं कि समान नागरिक संहिता (छट्ट) का कार्यान्वयन भारत के लिए कितना महत्वपूर्ण है?

खास खबर

विधायक ललित चंद्राकर को फूल माला पहनाकर उनका जन्म दिन मनाया



दुर्ग

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर के बिहार प्रवास से आने के पश्चात आज उनके निवास स्थान पर दुर्ग ग्रामीण विधान सभा क्षेत्र के जनता ने सौजन्य मुलाकात की और उन्हें जन्म दिन की हार्दिक शुभकामनाएं और अनंत बधाई दी। इस अवसर पर क्षेत्र के लोगों ने विधायक ललित चंद्राकर को फूल माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर उनका जन्म दिन मनाया। विधायक ललित चंद्राकर ने क्षेत्र के लोगों का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनकी शुभकामनाओं और आशीर्वाद से वे हमेशा ऊर्जा और प्रेरणा प्राप्त करते हैं। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि वे क्षेत्र के लोगों की सेवा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा उपलब्ध हैं। साथ ही आज क्षेत्र से आए जनता का समस्या सुन निराकरण किया गया।

कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर परवानी का श्रमबिंदु कार्यालय में किया गया सम्मान



रायपुर

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर परवानी का रायपुर स्थित दैनिक श्रमबिंदु कार्यालय में आगमन हुआ। उनके आगमन पर श्रमबिंदु परिवार द्वारा भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान अमर परवानी का सम्मान शाल एवं श्रीफत्त भेंट कर किया गया। इस अवसर पर दैनिक श्रमबिंदु के प्रबंध संपादक सुरेश सुखीजा एवं उप प्रबंध संपादक अमर चंदनानी विशेष रूप से उपस्थित रहे। श्री सुखीजा ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि अमर परवानी ने व्यापारियों के हितों की रक्षा एवं संगठित व्यापार जगत के सशक्तिकरण के लिए जो निरंतर प्रयास किए हैं, वह सराहनीय और प्रेरणादायक हैं। इस अवसर पर अमर परवानी ने श्रमबिंदु के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्रमबिंदु ने हमेशा समाज और व्यापार जगत की आवाज को सशक्त रूप में प्रस्तुत किया है। मीडिया और व्यापारिक संगठनों का आपसी सहयोग ही आर्थिक विकास की मजबूत कड़ी है। सम्मान समारोह में श्रमबिंदु परिवार के सदस्य, पत्रकार, एवं स्थानीय व्यावसायिक समुदाय के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। सभी ने श्री परवानी के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया सड़क सीमेंटकरण कार्य का भूमिपूजन



दुर्ग। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव के मुख्य आतिथ्य में आज दुर्ग नगर के लिए एक और महत्वपूर्ण विकास कार्य का शुभारंभ किया गया। मंत्री श्री यादव ने 77.52 लाख रुपये की लागत से ब्रह्माकुमारी आनंद सरोवर होते हुए बाईपास तक 0.80 किलोमीटर लंबाई की सड़क के सीमेंटकरण कार्य का भूमिपूजन किया। यह निर्माण कार्य छत्तीसगढ़ राज्य कृषि उपज मंडी समिति के मद से किया गया। इस अवसर पर मंत्री श्री यादव ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था की वर्षों पुरानी मांग आज पूरी हुई है। इस सड़क के निर्माण से दुर्ग के शहरवासियों और ग्रामीणवासियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी, जिससे जनजीवन की गतिविधियों को गति मिलेगी। मंत्री श्री यादव ने कहा कि गांव के वातावरण को बनाए रखना है और यहां की संस्कृति को नहीं छोड़ना है। उन्होंने कहा कि बच्चे लोक कलाकारों का केन्द्र है, इसे सहेजना और संवरना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में नगर पालिक निगम सभापति श्री श्याम शर्मा, पार्षद श्री ललित ढीमर, श्रीमती कुमारी साहू, ब्रह्मकुमारी रूपाली दीदी और भारती दीदी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं नगरवासी उपस्थित रहे। मंत्री श्री यादव ने कहा कि राज्य सरकार शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण कर नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में दुर्ग शहर में कई अन्य विकास कार्यों की शुरुआत की जाएगी।

सेल इंटर प्लांट्स क्रिकेट चैंपियनशिप के काटर फ़इनल में बोकारो और दुर्गापुर ने दर्ज की शानदार जीत

भिलाई। सेल द्वारा आयोजित सेल इंटर प्लांट्स क्रिकेट चैंपियनशिप 2025 के अंतर्गत दिनांक 13 नवंबर, 2025 को खेले गए मुकाबलों में बोकारो इस्पात संयंत्र (बी.एस.एल.) और दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (डी.एस.पी.) की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मैचों में जीत दर्ज की। सेक्टर-10 स्थित बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए मैच में बोकारो ने इस्कोडूबर्नपुर को चार विकेट से पराजित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इस्कोडूबर्नपुर ने निर्धारित ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 113 रन बनाए। टीम की ओर से ए. चक्रवर्ती ने 29, जयप्रकाश ने 23 और दीपक ने 22 रन का योगदान दिया। बर्नपुर की ओर से जयदीप राय और अमरजीत शाह ने दो-दो विकेट लिए, जबकि राजेश पटेल एवं जयप्रकाश ने एक-एक विकेट हासिल किया।

रायपुर

समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय सेवा पथ संस्था द्वारा आज दैनिक श्रमबिंदु अखबार, पोर्टल एवं सोशल मीडिया परिवार का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों ने श्रमबिंदु के प्रबंध संपादक सुरेश सुखीजा तथा उप प्रबंध संपादक अमर चंदनानी को सम्मान स्वरूप मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि श्रमबिंदु समाचार पत्र एवं डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म ने सदैव निष्पक्ष पत्रकारिता के साथ समाज के ज्वलंत मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है। समाजहित और जनजागरण के क्षेत्र में उनकी सक्रिय भूमिका अनुकरणीय रही है।

राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई के सात दिवसीय शिविर का उद्घाटन

दुर्ग

राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई, शासकीय विश्वनाथ यादव तामरस्कर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग के तत्वाधान में ग्राम धनोरा में 7 दिवसीय शिविर का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अनुपमा अस्थाना (प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, रिसाली, दुर्ग) उपस्थित रहीं।

साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती रुलेश्वरी बंजारे (सरपंच, ग्राम धनोरा), चंद्रशेखर बंजारे, चेतन लाल साहू (वार्ड पंच), श्रीमती पुष्पा सिंह (प्रधान पाठिका, शासकीय माध्यमिक शाला, धनोरा), श्रीमती अंबिका सांग (प्रधान पाठिका, प्राथमिक शाला, धनोरा) एवं शालिनी मैश्राम उपस्थित थे। स्वागत भाषण कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मीना मान ने प्रस्तुत किया। जिसमें उनके द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर में आगामी

मुख्यमंत्री सरस्वती सायकल योजना के तहत 67 बालिकाओं को सायकल वितरित

दुर्ग। मुख्यमंत्री सरस्वती निःशुल्क सायकल योजना के तहत आज दुर्ग के शासकीय आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल, दीपक नगर में 9वीं कक्षा की नवप्रवेशी 67 छात्राओं को सायकल वितरित की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव, नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर श्रीमती अलका बाघमार, सभापति श्री श्याम शर्मा, पार्षदगण, भाजपा पदाधिकारी, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की धुन पर हुआ, जिसे विद्यालय की छात्रा गोपिका निर्मलकर ने प्रस्तुत किया। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती शोभली सोनी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह योजना छात्राओं को शिक्षा के प्रति प्रेरित करने का माध्यम बन रही है इस अवसर पर सुनील सिंह, आभा व्यास, मृणाली पात्रेकर सहित सभी शिक्षकगणों ने कार्यक्रम को सफल बनाया। श्री यादव ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सरस्वती सायकल योजना प्रदेश सरकार की एक अत्यंत जनकल्याणकारी पहल है। इस योजना के माध्यम से बालिकाओं को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा सरकार चाहती है कि कोई भी बेटी स्कूल जाने से वंचित न रहे। यह सायकल केवल आने-जाने का साधन नहीं, बल्कि बेटीयों के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की सवारी है

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत स्कूल में अभिव्यक्ति कार्यक्रम का आयोजन

विद्यार्थियों को पाँक्सो अधिनियम की जानकारी दी

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत बाल दिवस के उपलक्ष्य पर जिले के शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल हनोदा में हर बालिका राष्ट्र की पूंजी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सखी वन स्टॉप सेंटर केन्द्र सरकार द्वारा संचालित एक अम्ब्रेला योजना है जिसके अंतर्गत महिलाओं को एक ही छत के नीचे मुख्य रूप से पांच प्रकार सुविधाएं सुहैया कराई जाती है, ये सुविधाएं हैं- आश्रय, परामर्श, चिकित्सा, विधिक सहायता व पुलिस की सहायता। इस कार्यक्रम में विभागीय जानकारी जैसे, चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर 1098 के बारे में बताया गया कि किसी भी संकटग्रस्त एवं



संदिग्ध बच्चे की सहायता हेतु इस टोल फ्री नंबर का उपयोग किया जा सकता है। पाँक्सो अधिनियम के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि भारत में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को यौन शोषण और उत्पीड़न से बचाने के लिए बनाया गया एक कानून है। यह कानून यौन अपराधों को परिभाषित करता है, जिनमें यौन उत्पीड़न, यौन हमला और पोर्नोग्राफी शामिल है। इस

अधिनियम के तहत 18 साल से कम उम्र के बच्चे की सहमति अप्रासंगिक है और यौन शोषण के लिए कठोर दंड का प्रावधान है। 12 साल से कम उम्र के बच्चे के साथ बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास या मृत्युदंड तक की सजा हो सकती है। यौन हमले के मामलों में कम से कम 10 साल की कठोर कैद से लेकर आजीवन कारावास और

जुर्माने की सजा को सकती है।

स्कूली बालिकाओं के बीच परिवार में बेटीयों के अधिकार थीम के अनुरूप निबंध प्रतियोगिता, लघु भाषण प्रतियोगिता एवं कविता वाचन प्रतियोगिता रखी गई। प्रतियोगिता में बच्चों ने रुचि दिखाते हुए बड़ चढ़ कर हिस्सा लिया एवं स्वयं के अधिकार, समाजिक कुरीतियों जैसे- लिंग भेदभाव, समान शिक्षा का अधिकार, पैतृक संपत्ति में बेटीयों का अधिकार जैसे अहम मुद्दों पर अपने विचार उपरोक्त प्रतियोगिताओं के माध्यम से साझा किए। इसके साथ ही भविष्य में समाज के साथ कदम से कदम मिला कर चलने की कही। विभाग की टीम व अपने गुरुजनों के समक्ष भविष्य के प्रति अपनी संकल्पनाओं को पूरे आत्मविश्वास के साथ अभिव्यक्त किया।

सेवा पथ संस्था ने किया श्रमबिंदु परिवार का सम्मान

सुरेश सुखीजा एवं अमर चंदनानी को मोमेंटो प्रदान कर किया गया सम्मानित



सम्मान प्राप्त करते हुए सुरेश सुखीजा ने कहा कि यह सम्मान श्रमबिंदु परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिए प्रेरणास्रोत है और संस्था द्वारा दिया गया यह स्नेह पत्रकारिता के क्षेत्र में और अधिक निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने के लिए उत्साहित करता है।

वहीं अमर चंदनानी ने संस्था का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाजसेवा और जनसरोकार से जुड़ी हर पहल में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है और ऐसे आयोजनों से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। कार्यक्रम के दौरान सेवा पथ संस्था के सदस्यों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं आमंत्रित अतिथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

सुशासन की सरकार में अपराध का ग्राफ बढ़ा अपराधी बेखौफ: देवेन्द्र यादव

भिलाई

भिलाई विधानसभा क्षेत्र के युवा विधायक देवेन्द्र यादव ने हमारे संवाददाता से चर्चा करते हुए कहा कि हम देख रहे हैं छत्तीसगढ़ में जिस तरीके से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद लगातार क्राइम बढ़ता ही जा रहा है।



लेना चाहिए, गृह मंत्री केवल तस्वीर और मीडिया बाजी में ही व्यस्त हैं, उन्हें तस्वीर से बाहर निकल कर उनको पूर्ण रूप से अपने कार्य पर ध्यान देना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी जब विपक्ष में थी तो शराब बंदी के बारे में वह चर्चा करती थी।

सरकार में आने के बाद शराब की दुकान बड़ी संख्या में खोली जा रही है। जहां आबादी घनी है उस जगह पर शराब दुकान खोली जा रही है, जिससे अपराध भी बढ़ रहे हैं।

चाकू बाजी की घटनाएं इतनी आम हो गई हैं कि हम सुबह जब अखबार खोलते हैं तो केवल चाकू बाजी की खबरें दिखाई देती हैं। हम लोग देख रहे हैं कि स्कूलों में, चौक चौराहे में, दिन दहाड़े चाकू बाजी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। यहां प्रतिदिन मर्डर पर मर्डर हो रहे हैं और यह सुशासन की सरकार पता नहीं क्या कर रही है। अपराध इतना ज्यादा बढ़ गया है जिसके कारण यह सारी घटनाएं हो रही हैं। सरकार को संज्ञान में

महापौर अलका बाघमार आयुक्त सुमित अग्रवाल ने जलघर का किया निरीक्षण पानी शुद्ध के पश्चात सफ़ाई करने व सुरक्षा के उपाय करने के लिए निर्देश

दुर्ग। नगर निगम के नया बस स्टैंड के सामने स्थित जल गृह विभाग के 11 एमएलडी फ़िल्टर प्लांट में अज्ञात व्यक्ति के शव मिलने की जानकारी मिलने पर आज महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल जल विभाग प्रभारी श्रीमती लीना दिनेश देवांगन व अधिकारियों के साथ जल विभाग कार्यालय के पीछे स्थित जलशोधन प्लांट का सूक्ष्मता से निरीक्षण कर इस प्लांट से जुड़े सफ़ाई क्षेत्र में पानी शुद्ध करने के बाद लाईन खोलने सुरक्षा के उपाय करने आवश्यक दिशा निर्देश दिए में इससे पूर्व महापौर अलका बाघमार ने जल गृह प्रभारी लीना दिनेश देवांगन के कक्ष में अधिकारियों की बैठक ली लेकर अज्ञात व्यक्ति की लाश मिलने की घटनाक्रम की वस्तु स्थिति की जानकारी ली। तत्पश्चात जल विभाग कार्यालय के पीछे स्थित फ़िल्टर प्लांट के संप व अन्य संसाधनों का अवलोकन किया इस दौरान उन्होंने इस प्रकार की घटना को रोकने अधिकारियों को सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी



कैमरा लगाने व बाउंड्रीवॉल के चारों तरफ फेंसिंग तार लगाने व परिसर के अंदर खाली जगह पर उगे झाड़ू जंगल को साफ़करने की भी निर्देश दिया। इस अवसर पर नगर निगम के महापौर सदस्य नरेंद्र बंजारे चंद्राकर देवनारायण चंद्राकर, चंद्रशेखर चंद्राकर ज्ञानेश्वर ताम्रकार

नीलेश अग्रवाल श्रीमती शशि साहू पार्षद युवराज कुंजाम, लोकेश्वरी ठाकुर, सावित्री दमाहे, रंजीता पाटिल जल गृह विभाग के कार्यपालन अभियंता गिरीश दीवान जल निरीक्षक नारायण ठाकुर सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

संयंत्र के अग्निशमन विभाग द्वारा फायर सेफ्टी क्रेट प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के अग्निशमन विभाग द्वारा कर्मचारियों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित फायर सेफ्टी क्रेट प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता 04 नवम्बर 2025 को मानव संसाधन विकास केन्द्र के मुख्य सभागार में आयोजित की गई थी, जिसका परिणाम 08 नवम्बर 2025 को घोषित किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर (जे.ई.ए., प्लेट मिल) श्री शोभा सिंह, द्वितीय स्थान पर श्री उत्तम कुमार (जे.ई.ए., एस.एम.एस.-2), तृतीय स्थान पर (जे.ई.ए., ए.एंड डी) श्रीमती श्री देवी रहीं, तथा सान्त्वना पुरस्कार (ई.ए., मार्स-1) श्री रंजन गोस्वामी को प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता में भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों के लगभग 175 गैर-कार्यपालक प्रतिभागियों ने भाग लिया। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के

दौरान मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) श्री देबदत्त सतपथी तथा मुख्य अग्निशमन अधिकारी श्री बी. के. महापात्र द्वारा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों को संयंत्र में अग्नि सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सतर्कता, प्रशिक्षण और अनुशासन के औद्योगिक सुरक्षा का आधार बताया। इस आयोजन के संचालन में अतिरिक्त मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) श्री संजय ढवस, अग्निशमन अधिकारी (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) श्री योगेश कुमार शर्मा एवं श्री अमन कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों को आग से संबंधित खतरों, सुरक्षा उपायों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में उचित प्रतिक्रिया देने की क्षमता विकसित करना था। यह प्रतियोगिता प्रतिभागियों के लिए ज्ञानवर्धक रही।